राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 295 सोमवार 17 फरवरी 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

सब सोच रखा है तो हमारी जरूरत ही क्या है

आर-पार के मूड में अनिल विज, 'अन्याय' पर भड़के

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अंबाला नगर परिषद के चुनाव में पार्षदों के टिकट बंटवारे को लेकर मची कलह तेज होती जा रही है। अंबाला कैंट से विधायक और भाजपा के वरिष्ठ मंत्री अनिल विज अपने 15 समर्थकों को टिकट न मिलने से भड़के हुए हैं। उनके समर्थकों ने यहां तक कह दिया है कि यदि लोकल यूनिट की बात को खारिज कर हाईकमान के लेवल से ही सब तय हो रहा है तो फिर हमारी जरूरत ही क्या है। एक समर्थक ने कहा कि कुल 32 नामों का ऐलान हुआ है, जिनमें से 15 लोग तो ऐसे हैं, जिनकी सिफारिश स्थानीय स्तर पर किसी भी नेता ने नहीं की थी। इस पर अनिल विज भड़क गए हैं और उनका कहना है कि क्या मैं विदेश चला जाऊं, जब कोई सुनवाई ही नहीं हो रही है। शुक्रवार को देर रात लिस्ट जारी हुई तो हलचल तेज हो गई। अनिल विज के समर्थक उनके घर पहुंचने लगे। यही नहीं शनिवार को भी यह सिलसिला जारी रहा और अब रविवार को भी उनके यहां समर्थकों का हुजूम उमड़ा पड़ा है। स्थानीय कार्यकर्ता, नेता, बूथ और मंडलों के अध्यक्ष उनसे मिलने पहुंच रहे हैं। खबर है कि स्थानीय यूनिट की तरफ से हाईकमान को एक ईमेल भी भेजा गया है। इसमें टिकट बंटवारे को लेकर असंतोष जाहिर किया गया है। अनिल विज के समर्थकों ने नारेबाजी की भी की है। खासतौर पर उन लोगों के खिलाफ नारे लगाए गए, जिन्हें टिकट मिला है। यही नहीं ऐसे भी कई नेता नाराजा हैं, जिन्हें टिकट मिला है। उनका कहना है कि अनिल विज जो कहेंगे, वह वही करेंगे। इन लोगों का कहना है कि चुनाव में अनिल विज के खिलाफ काम करने वाले कई लोगों का पार्षद का टिकट मिला है। अनिल विज के गुस्से को देखते हुए समर्थकों का कहना है कि पार्टी हाईकमान से यदि पॉजिटिव जवाब नहीं मिला तो भविष्य में वह मंत्री पद छोड़ सकते हैं। विज ने पिछले दिनों कहा भी था कि मेरी विधायकी कोई नहीं छीन सकता।

कर्नाटक कांग्रेस में एक बार फिर मचा घमासान

डीके शिवकुमार को प्रदेश अध्यक्ष से हटाने की मांग

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर मांग तेज हो गई है। पार्टी के कई नेता राज्य के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। राज्य के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने मल्लिकार्जुन खड़गे और केसी वेणुगोपाल से मुलाकात करके प्रदेश अध्यक्ष बदलने की मांग की है। वे इस पद के मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह बदलाव साल के अंत तक हो

सकता है। इस साल उन्हें सीएम बनाए जाने की भी संभावना है। हालांकि, शिवकुमार ने इस मामले पर अब तक चुप्पी साध रखी है। वहीं, कैबिनेट मंत्री केएन राजन्ना ने कहा कि शिवकुमार को लोकसभा चुनाव तक प्रदेश अध्यक्ष बनाए रहने की बात हुई थी लेकिन सिद्धारमैया ढाई साल तक ही मुख्यमंत्री होगें, यह साफ नहीं है। राजन्ना ने कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल के 2023 के बयान का हवाला देते हुए यह कहा है। केसी वेणुगोपाल ने ढाई-ढाई साल के फॉर्मूला के लिए 2023 में कहा था।

राहुल गांधी की सलाह पर खड़ी हुई नई कांग्रेस

प्रभारी महासचिवों की तैनाती में 75 फीसदी आरक्षण

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते कई सालों से कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार आरक्षण की बात करते रहे हैं। वह आबादी के अनुपात में जातिगत आरक्षण की बात दोहराते रहे हैं, जबकि विपक्ष का कहना रहा है कि राहुल गांधी जो कह रहे हैं, उस पर अमल भी करें। अब राहुल गांधी की पहल पर कांग्रेस में जो 11 राज्यों के प्रभारी बनाए गए हैं, उनमें से 8

नेता उन्हीं वर्गों के हैं, जिन्हें प्राथमिकता देने की बात राहुल गांधी करते रहे हैं। इन नेताओं में 5 यानी करीब आधे ओबीसी वर्ग के हैं तो वहीं एक दलित, एक मुस्लिम, एक आदिवासी शामिल हैं। इसके अलावा तीन नेता सामान्य वर्ग के हैं। इस तरह करीब 75 फीसदी कोटा ओबीसी, एससी-एसटी और अल्पसंख्यसकों के लिए रखा गया है। इन नेताओं में अहम चेहरा भूपेश बघेल हैं, जो पंजाब के प्रभारी महासचिव बने हैं। वह छत्तीसगढ़ के सीएम रह चुके हैं और प्रियंका गांधी से लेकर राहुल तक के करीबी माने जाते हैं। राहुल गांधी लोकसभा चुनाव से भी कई महीने पहले से संविधान की कॉपी हाथ में लेकर घूमते रहे हैं।

कुंभ जाने की आस में खामोश हो गईं 18 जिंदगी

● हमेशा के लिए बंद हुई आवाज, परिवारों में पसरा मातम ● रो-रो कर लोगों का है बुरा हाल, अपनों को खोकर टूट गए कई परिवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार रात को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने की वजह से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, 35 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। इन यात्रियों में ज्यादातर लोग महाकुंभ जाने की होड़ में थे, सभी प्रयागराज पहुंच जाना चाहते थे लेकिन रेलवे प्रशासन की अव्यवस्था, कुछ ट्रेनों की देरी के चलने की वजह से भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई और इतने लोगों की जान गई। इस समय कई परिवारों में मातम पसरा हुआ है, रो-रो कर लोगों का बुरा हाल है। लोग अपनों को खोकर बुरी तरह टूट चुके हैं, सपना महाकुंभ में डुबकी लगाने का देखा था, लेकिन अब अपनों के शव ले जाने को मजबूर दिखाई दे रहे हैं। सरकार ने अपनी तरफ से आर्थिक सहायता का ऐलान जरूर कर दिया है, लेकिन मृतक के परिवार वाले इससे संतुष्ट नहीं है, वे असल न्याय की बात कर रहे हैं। इस समय 18 लोगों की पूरी लिस्ट भी सामने आ चुकी है जिनकी इस भगदड़ में जान गई। ये सभी महाकुंभ जाने के लिए निकले थे,लेकिन अब दुनिया को ही अलविदा कह चुके हैं। जानकारी के लिए बता दें कि 18 लोगों की मौत हुई है उसमें 9 महिलाएं, 4 पुरुष और 5 बच्चे शामिल हैं।

रेलवे की नाकामी और सरकार की असंवेदनशीलता...

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन हादसे के लिए सरकार को खूब तीखा सुना रहा विपक्ष

● कांग्रेस ने सरकार पर सच्चाई छिपाने का लगाया आरोप, राहुल ने खूब सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के मामले से सियासी पारा चढ़ गया है। विपक्षी दल केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। कांग्रेस ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में हुई मौतों के बारे में सरकार पर रविवार को सच्चाई छिपाने का आरोप लगाया और कहा कि इससे एक बार फिर रेलवे की 'विफलता' और सरकार की 'असंवेदनशीलता' उजागर हुई है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार रात मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए स्टेशन पर बेहतर व्यवस्था की जानी चाहिए थी। गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'यह घटना एक बार फिर रेलवे की विफलता और सरकार की असंवेदनशीलता को उजागर करती है। प्रयागराज जाने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए स्टेशन पर बेहतर व्यवस्था की जानी चाहिए थी।' उन्होंने कहा, 'सरकार और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कुप्रबंधन और लापरवाही के कारण किसी को जान न गंवानी पड़े। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे में महाकुंभ जा रहे श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत बेहद दुखद एवं पीड़ादायक है। हादसे में जिन परिवारों ने अपनों को खोया, उन सभी के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।

प्रयागराज में फिर चरमराई ट्रैफिक व्यवस्था, घंटों से जाम में फंसे लोग, सड़क पर उतरे सेना के जवान

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ लगा हुआ है। महाकुंभ में एक बार ट्रैफिक व्यवस्था फिर से चरमरा गई है। वहीं सेना के जवानों ने प्रयागराज की सड़कों पर मोर्चा संभाल लिया है। सेना के जवान ट्रैफिक खुलवाने में लगे हुए हैं। प्रयागराज जाने वाले रास्तों पर तीन से चार घंटे से भीषण जाम लगा है। मेडिकल चौराहे से बालसन तक लंबा जाम लगा हुआ है। वहीं बहरना से बालसन तक भी लंबा जाम लगा है। सोबतिया मार्ग से दरभंगा चौराहे तक भीषण जाम लगा है। प्रयागराज

के नैनी नया पुल और पुराना पुल पर तीन किमी लंबा दोनों तरफ यानी आने और जाने वाला रास्ता ब्लॉक है। वहीं झूंसी के शास्त्री ब्रिज पर अलोपीबाग चौराहे से लेकर अंदावा मोड़ तक गाड़ियां फंसी हैं। जबकि फाफामऊ पुल पर तेलियरगंज से लेकर प्रतापगढ़ और लखनऊ रोड पर कई किमी तक रास्ते में लोग फंसे हैं। बता दें कि प्रयागराज में जाम को लेकर लगातार शिकायतें आ रही है। दो दिन पहले ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़े अधिकारियों के साथ बैठक की थी।

पूरे हिंदू समाज को एकजुट करना चाहता है संघ:भागवत

आरएसएस प्रमुख का वेस्ट बंगाल की बर्धमान रैली में बड़ा बयान

मोहन भागवत ने विविधता में एकता के महत्व पर दिया जोर

बर्धमान (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने दुनिया की विविधता को अपनाने के महत्व पर जोर देते हुए रविवार को कहा कि हिंदू समाज का मानना है कि एकता में ही विविधता समाहित है। बर्धमान के साई ग्राउंड में आरएसएस के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लोग अक्सर पूछते हैं कि हम केवल हिंदू समाज पर ही ध्यान क्यों देते हैं, और मेरा जवाब है कि देश का जिम्मेदार समाज हिंदू समाज है।

● **हिंदू समाज को संगठित करना चाहता है संघ**- आरएसएस चीफ भागवत ने कहा कि आज कोई विशेष कार्यक्रम नहीं है। जो लोग संघ के बारे में नहीं जानते, वे अकसर सवाल करते हैं कि संघ क्या चाहता है। अगर मुझे जवाब देना होता, तो मैं कहता कि संघ हिंदू समाज को संगठित करना चाहता है, क्योंकि यह देश का जिम्मेदार समाज है। उन्होंने कहा कि भारत केवल भूगोल नहीं है। भारत की एक प्रकृति है। कुछ लोग इन मूल्यों के अनुसार नहीं जी सके और उन्होंने एक अलग देश बना लिया। लेकिन जो लोग यहां रहे उन्होंने स्वाभाविक रूप से भारत के मूल तत्व को अपना लिया... और यह मूल तत्व क्या है। यह हिंदू समाज है, जो दुनिया की विविधता को स्वीकार करके फलता-फूलता है। हम कहते हैं 'विविधता में एकता', लेकिन हिंदू समाज का मानना है कि विविधता ही एकता है।

● **भारत में कोई भी सम्राटों और महाराजाओं को याद नहीं करता**- भागवत ने कहा कि भारत में कोई भी सम्राटों और महाराजाओं को याद नहीं करता, बल्कि अपने पिता का वचन पूरा करने के उद्देश्य से 14 साल के लिए वनवास जाने वाले राजा (भगवान राम) को याद रखता है।

फतेहपुर सीकरी में इंग्लैंड के पूर्व पीएम ऋषि सुनक

सलीम चिश्ती की दरगाह पर बांधा मन्नत का धागा, चढ़ाए फूल

आगरा (एजेंसी)। भारत दौरे पर आए इंग्लैंड के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने रविवार को फतेहपुर सीकरी स्मारक का दीदार किया। इसके बाद उन्होंने हरजत सलीम चिश्ती की दरगाह पर फूल चढ़ाए और मंन्नत का धागा

बांधा। शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री अपने परिवार के साथ ताजमहल का दीदार किया था। ताजमहल की खूबसूरती के बारे में उन्होंने जमकर कसीदे गढ़े थे। इंग्लैंड के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक परिवार के साथ दो दिवसीय आगरा दौरे पर हैं। शनिवार शाम को उन्होंने ताजमहल का दीदार किया था। उनके साथ उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति, सास सुधा मूर्ति और उनकी बेटियां कृष्णा एवं अनुष्का भी थीं।

अमेरिका ने 116 और अप्रवासी भारतीयों को जबरन लौटाया

● पुरुषों को हथकड़ी-बेड़ियां लगाईं, अमृतसर एयरपोर्ट से 5 घंटे बाद घर भेजा

अमृतसर (एजेंसी)। अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे 116 और भारतीयों को जबरन भारत भेज दिया गया। अमेरिकी एयरफोर्स का विमान ग्लोबमास्टर शनिवार देर रात 11.30 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा। इस बार महिलाओं-बच्चों को छोड़कर सभी पुरुषों को हाथों में हथकड़ियां और पैरों में बेड़ियां डालकर विमान में बैठाया गया था। एयरपोर्ट पर ही उनके परिवार से मुलाकात कराई गई। करीब 5 घंटे की वैरिफिकेशन के बाद पुलिस की गाड़ियों में सभी को घर छोड़ा गया। इस दौरान किसी को भी मीडिया से बातचीत नहीं करने दी गई। इससे पहले 5 फरवरी को 104 अप्रवासी भारतीयों को जबरन लौटाया जा चुका है। इनमें बच्चों को छोड़कर महिलाओं-पुरुषों को हथकड़ियों और बेड़ियों में जकड़कर लाया गया था। इस तरह अब तक 220 अवैध अप्रवासी भारतीयों को भारत भेजा जा चुका है। इस विमान में डिपोर्ट हुए होशियारपुर के दलजीत सिंह ने हथकड़ियां-बेड़ियां लगाने की पुष्टि की। उन्होंने कहा- हमारे हाथ बंधे थे और पैरों में जंजीरें डाली गई थीं। वह डंकी रूट से अमेरिका पहुंचा था। वहीं डिपोर्ट होकर आए चचेरे भाइयों संदीप और प्रदीप को पटियाला पुलिस ने डिटेन किया है। उनसे

जून 2023 में दर्ज कत्ल केस के मामले में पूछताछ की जा रही है। शनिवार को जबरन वापस भेजे गए लोगों में पंजाब से 65, हरियाणा से 33, गुजरात से 8, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से 2-2 और हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से एक-एक व्यक्ति शामिल हैं। इनमें अधिकांश 18 से 30 साल की उम्र के हैं।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व सांसद शाहिद अखलाक के बेटों पर फायरिंग करने का आरोप

मेरठ , एजेंसी। पूर्व सांसद शाहिद अखलाक और उनके दोनों बेटों पर अल्लीपुर के जंगल में जमीन पर कब्जे के प्रयास और फायरिंग का आरोप लगा है। बताया जाता है कि पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी वहां से निकल लिए। पीड़ित ने लोहियानगर थाने में तहरीर दी है।

कोतवाली क्षेत्र निवासी नसरूद्दीन ने बताया कि पूर्व सांसद शाहिद अखलाक का अल्लीपुर गांव के जंगल में मीट प्लांट है। इसके पास ही नसरूद्दीन की कृषि भूमि है। आरोप है कि 11 फरवरी को शाम चार बजे शाहिद अखलाक बेटे दानिश व साकिब के साथ मीट प्लांट के बाहर आए। सुरक्षा गार्ड भी उनके साथ था। सभी के पास लाइसेंसी और अवैध हथियार थे। आरोप है कि इन लोगों ने जमीन कब्जाने के मकसद से फायरिंग की। पीड़ित ने पुलिस को घटना की सूचना दी। नसरूद्दीन का आरोप है कि शाहिद अखलाक की प्लांट फैक्टरी से निकलने वाले दूषित पानी से उनकी फसल बर्बाद हो जाती है। प्लांट के पीछे के गेट से कटान के लिए संरक्षित पशु अंदर ले जाए जाते हैं। सीओ कोतवाली आशुतोष कुमार का कहना है कि नसरूद्दीन तहरीर में लगाए गए आरोपों की जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

दुष्कर्म के मामले में जेल गया था बेटा: पूर्व सांसद का बेटा दानिश होटल में छात्रा के साथ दुष्कर्म के मामले में अगस्त 2023 में जेल जा चुका है। उस पर दिल्ली निवासी छात्रा को होटल में बुलाकर दुष्कर्म करने की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। तब यह मामला काफी चर्चा में रहा था। इसके अलावा दूसरे बेटे साकिब का अवैध हथियारों के साथ वीडियो वायरल हुआ था।

पुलिस पर फायरिंग कर भाग रहा था बदमाश, पैर में लगी गोली; दर्जनभर वारदातों को दिया है अंजाम

वाराणसी , एजेंसी। सारनाथ थाना क्षेत्र में शनिवार की भोर पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। रूकने का इशारा करने पर बदमाश ने पुलिस पर ही फायरिंग कर दी थी। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी तो वह मौके पर ही गिर गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार, एसीपी सारनाथ डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि बदमाश विशाल भारतीय के खिलाफ 12 से अधिक मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। यह कार्रवाई ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत की गई है। बिना नंबर प्लेट की बाइक से आ रहे बदमाश को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो उधर से फायरिंग होने लगी थी।

घायल बदमाश विशाल भारती की मूल रूप से आजमगढ़ का निवासी बताया जा रहा है। फिलहाल में वह बेनीपुर के आसपास छिपा हुआ था। कई संगीन अपराध में वह वांछित था। शनिवार को पुलिस ने सारनाथ के सिंहपुर में बदमाश विशाल को मुठभेड़ में घायल कर गिरफ्तार कर लिया।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर बस में लगी आग, एक यात्री की जिंदा जलकर मौत

आगरा , एजेंसी। फिरोजाबाद के थाना मटसेना क्षेत्रान्तर्गत आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर एक डबल डेकर बस में आग लग गई। यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। एक यात्री की मौत हो गई। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर सुबह पांच बजे लखनऊ से राजस्थान नागौर की ओर डबल डेकर स्लीपर बस जा रही थी।

काशी में महाकुंभ की झलक : एक हुई बाबा विश्वनाथ, कालभैरव, मां अन्नपूर्णा की कतार; 5-10 घंटे में दर्शन

वाराणसी , एजेंसी। काशी में महाकुंभ की झलक ऐसी है कि यहां के देवों के प्रति अटूट भक्ति के भाव बिखर रहे हैं। दोपहर की धूप या भोर की ठंड भी भक्तों की आस्था के आगे बेअसर दिख रही है। पांच से 10 घंटे कतार में लगकर दर्शन कर रहे हैं।

वहीं, पहली बार ऐसा देखने को मिल रहा है कि श्रीकाशी विश्वनाथ, मां अन्नपूर्णा, माता विशालाक्षी और बाबा कालभैरव मंदिर में दर्शन की कतारें एकाकार हो रही हैं। अभी यह सिलसिला थमने वाला नहीं है। रंगभरी एकादशी तक अटूट कतार दिखने की उम्मीद है। महाकुंभ के पलट प्रवाह का असर करीब एक माह से दिख रहा है। महाकुंभ में डुबकी लगाकर श्रद्धालु काशी के बाबा विश्वनाथ सहित अन्य देवालयों में दर्शन कर हैं। आलम ये है कि दर्शन के लिए पांच किमी तक कतार लग रही है। देशभर से आए श्रद्धालु खासकर बाबा विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए भीड़ हो रही है।

दक्षिण भारतीय श्रद्धालु मां अन्नपूर्णा और माता विशालाक्षी के भी दर्शन करते हैं। विशालाक्षी मंदिर के महतं पं. राजनाथ तिवारी ने बताया कि पहली बार ऐसा है कि जब इन दिनों मंदिरों में दर्शन के लिए कतारें एकाकार हो रही हैं। गंगा किनारे से इन तीनों मंदिरों में दर्शन के लिए कतार लग रही है।

काशी में जुट रही भक्तों की भीड़

बाबा कालभैरव मंदिर के पुजारी मोहित महाराज ने बताया कि भीड़ बढ़ने से आए दिन विश्वनाथ मंदिर और कालभैरव मंदिर में दर्शन की भी कतारें मैदागिन पहुंच जा रही हैं। जबकि विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए 16 कतारें लग रही हैं। मैदागिन और गोदौलिया से चार नंबर गेट पहुंचने वाली चार लाइन लग रही हैं। जबकि गंगा द्वार, सरस्वती फाटक से भी चार-चार लाइन मंदिर पहुंच रही हैं। अन्नपूर्णा मंदिर के रमेश तिवारी ने बताया कि भीड़ के चलते मां अन्नपूर्णा मंदिर में श्रद्धालुओं को दर्शन करने में दिक्कत हो रही है।

पलट प्रवाह के 31वें दिन पहुंचे 7.5 लाख श्रद्धालु

वाराणसी। महाकुंभ पलट प्रवाह के 31वें दिन काशी विश्वनाथ मंदिर में 7.5 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। भोर में मंगला आरती के बाद से लेकर देर रात तक भक्तों की 3 से 5 किलोमीटर लंबी लाइनें लगी रहीं। गेट नंबर 4 की लाइन मैदागिन से आगे मालवीय मार्केट को पार कर गई। गंगा द्वार और बांसफाटक की लाइन दशाश्वमेध घाट तक लगी रहीं। गंगा द्वार की ओर से झांकी दर्शन को जाने वाले भक्त 4 किलोमीटर लंबे जिगजैग से होकर मंदिर के गर्भगृह तक पहुंचे और आधे सेकेंड के झांकी दर्शन में निहाल हो उठे। महाकुंभ से लौटे साधु-संतों ने भी हर-हर महादेव के जयघोष के साथ बाबा के दर्शन किए। लाइनों में लगे कई श्रद्धालु दोपहर की खड़ी धूप में बेहाल नजर आए। कई बेहोश हो गए। कतारबद्ध कई श्रद्धालु पानी के लिए तरस गए। लाइन छोड़कर बाहर न जा पाने के चलते भूखे-प्यासे दरबार तक पहुंचे। श्रद्धालुओं की लाइन के पास पहुंचे डीएम एस राजलिंगम ने कहा कि भक्तों की संख्या बृहस्पतिवार के मुकाबले कम रही। श्रद्धालुओं की लाइन व्यवस्था और क्राउड मैनेजमेंट को बरकरार रखा जाएगा।

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़...8वीं तक की मान्यता, भरवा दिए 10वीं के फॉर्म

आगरा , एजेंसी। आगरा के शारदा कॉन्वेंट स्कूल नुनिहाई रामबाग पर बिना मान्यता के हाईस्कूल कक्षा के फॉर्म भरवाने के मामले में नगर शिक्षा अधिकारी ने बच्चों के बयान दर्ज किए। स्कूल प्रबंधक हाईस्कूल की मान्यता को लेकर कोई भी कागज नहीं दिखा सका। बेसिक शिक्षा अधिकारी को रिपोर्ट भेजकर कार्रवाई करने का दावा किया गया है। बिना मान्यता के सीबीएसई हाईस्कूल कक्षा के फॉर्म भरवाने के मामले में शारदा कॉन्वेंट स्कूल के छात्रों ने जिलाधिकारी से शिकायत की थी। इस पर नगर शिक्षा अधिकारी सुमित कुमार शुक्रवार को स्कूल जांच करने पहुंचे। उन्होंने बताया कि स्कूल में हाईस्कूल की कक्षा संचालित होती नहीं मिली लेकिन छात्रों ने फॉर्म भरवाने की शिकायत की है। स्कूल को कक्षा आठ तक की मान्यता है। हाईस्कूल के फॉर्म नहीं भरवा सकता है। इस मामले में प्रधान हायर सेकेंडरी की भूमिका की भी जांच की जा रही है। दोनों स्कूलों पर कार्रवाई के लिए रिपोर्ट बेसिक शिक्षा अधिकारी को भेजी जाएगी। शनिवार को फॉर्म भरने वाले सभी छात्रों को कार्यालय पर बुलाया है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छात्रों पर बनाया जा रहा दबाव: पापा टीम के राष्ट्रीय संयोजक दीपक सरीन का कहना है कि जांच शुरू होने के बाद छात्रों पर स्कूल प्रबंधक दबाव बनाने का प्रयास कर रहा है। उनसे छात्रों ने शिकायत की है। हर छात्र के घर पर स्कूल के लोग जा रहे हैं और शिकायत वापस न लेने पर फेल करने की धमकी भी दे रहे है। इसकी रिकार्डिंग छात्रों ने भेजी है। उन्होंने जिलाधिकारी से दोनों स्कूलों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

एक ही दुकान पर मिलेंगी बियर और शराब, नई आबकारी नीति के तहत बदलाव

लाइसेंस के आवंटन की प्रक्रिया शुरू

आगरा , एजेंसी। आगरा में इस बार नई आबकारी नीति के तहत शराब की दुकानों के लाइसेंस का वितरण ई-लॉटरी से होगा। इसकी प्रक्रिया 17 से 27 फरवरी के बीच ऑनलाइन होगी। पहली बार कंपोजिट शाप की व्यवस्था की गई है। इन दुकानों में अंग्रेजी शराब और बीयर की बिक्री एक साथ हो सकेगी। शुक्रवार को जिलाधिकारी अरविंद मल्लप्पा बंगारी ने जिला आबकारी अधिकारी और निरीक्षकों के साथ बैठक में दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आबकारी नीति वर्ष 2025-26 के तहत जिले में 653 (देशी मदिरा-329, कंपोजिट शॉप-266, मॉडल शॉप-24, भांग शॉप-34) का व्यवस्थापन सार्वजनिक ई-लॉटरी के माध्यम से पूरी पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि आबकारी दुकानों का व्यवस्थापन ऑनलाइन ई-लॉटरी के माध्यम से होगा। इसमें किसी प्रकार से किसी भी स्तर पर मानवीय हस्तक्षेप संभव नहीं है। आबकारी दुकानों के व्यवस्थापन के लिए होने वाली सार्वजनिक ई-लॉटरी पूर्णतया पारदर्शी एवं ऑनलाइन है। 17 से 27 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रथम चरण की ई-लॉटरी छह मार्च को निकाली जाएगी। इसके लिए सुबह 11 बजे से सूरसदन प्रेक्षागृह में प्रक्रिया शुरू होगी। इसमें केवल वास्तविक आवेदकों को ही प्रवेश दिया जाएगा।

3 दिन में जमा करनी होगी लाइसेंस फीस: ई-लॉटरी में चयनित आवेदक उनकी दुकानों के सापेक्ष निर्धारित बेसिक लाइसेंस फीस (देशी मदिरा दुकानों के संबंध में), लाइसेंस फीस (कंपोजिट शॉप, मॉडल शॉप एवं भांग शॉप के संबंध में) 11 मार्च तक जमा करना अनिवार्य होगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) अजय कुमार सिंह एवं जिला आबकारी अधिकारी नीरज कुमार द्विवेदी सहित समस्त आबकारी निरीक्षक आदि उपस्थित रहे।

इन नंबरों पर कॉल कर लें जानकारी: विभाग की ओर से कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसके नंबर 9993542648, 9005784078, 8076714025, 8630017368, 9454465661, 7905303063 हैं। इस पर आवेदन करने के इच्छुक लोग कॉल कर सकते हैं।

रेलवे ने अटकाया रोड़ा, 12 गांवों में गहरा सकता है बिजली संकट

बदली जानी हैं जर्जर केबल

आगरा, एजेंसी। आगरा के बाह और फतेहाबाद के 12 गांवों में बिजली संकट बढ़ सकता है। आगरा-बाह-इटावा रेल लाइन के नीचे बिछी हुई बिजली की केबलों से फीडरों को आपूर्ति दी जा रही है। पुरानी होने के कारण यह क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जिन्हें बदलने का काम किया जाना है।

रेलवे ने जून से अब तक इसके लिए अनुमति नहीं दी है। दक्षिणांचल के अनुसार केबलें नहीं बदले जाने से फॉल्ट होते रहते हैं। आपूर्ति बाधित होती है। गर्मियों में इनके बढ़ने की आशंका है। दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के अधिशासी अभियंता रूद्रेश पांडेय ने रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक से बीते साल जून में आगरा-बाह-इटावा रेल लाइन के नीचे से निकल रही बिजली की केबलें बदलने की अनुमति मांगी थी।

इसके लिए शटडाउन की जरूरत नहीं पड़ेगी। रेल लाइन पार करने के लिए पाइप से होकर केबल निकली हैं, जिन्हें सिर्फ खींचकर निकालना है। दक्षिणांचल के अधिकारियों ने रेलवे के पोर्टल पर भी अनुमति के लिए आवेदन किया है। आठ महीने से रेलवे से अनुमति न मिलने के कारण क्षतिग्रस्त हो चुकीं केबलों से ही आपूर्ति हो रही है। 33 केवी की क्रॉसिंग केबिल क्षतिग्रस्त होने से इस बार गर्मी में बिजली का संकट गहरा सकता है।

गर्मियों में फॉल्ट ज्यादा, पहले होना है काम

दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम गर्मी में बिजली मांग बढ़ने से पहले ही सबस्टेशनों की क्षमता बढ़ोतरी और बिजली की क्षतिग्रस्त केबलें बदलने का अभियान चला रहा है। अधिशासी अभियंता रूद्रेश पांडेय ने बताया कि रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर को अनुमति देने के लिए पत्र भेजा गया, पर इसका कोई जवाब नहीं दिया गया। गर्मियों में मांग बढ़ने से पहले केबल बदलने का काम जरूरी है। फॉल्ट होने पर दिक्कतें बढ़ जाएंगी।

न्यू कानपुर सिटी की लॉन्चिंग अप्रैल में, केडीए बोर्ड बैठक में 16 प्रस्ताव पास

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में केडीए बहुप्रतीक्षित न्यू कानपुर सिटी आवासीय योजना अप्रैल में लांच करेगा। शुक्रवार को विकास प्राधिकरण बोर्ड की 142वीं बैठक में चकेरी के पास स्थित ग्राम उचटी में लैंड पूलिंग से आवासीय योजना विकसित करने, भवन स्वामियों को टीओडी जोन का लाभ देने, साढ़े सात मीटर चौड़ी सड़क में भी पेट्रोल पंप के निर्माण सहित 16 प्रस्ताव स्वीकृत हुए। केडीए सभागार में मंडलायुक्त के विजयेंद्र पांडियन की अध्यक्षता में हुई बोर्ड की बैठक में प्राधिकरण उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल ने बताया कि बैठक में न्यू कानपुर सिटी योजना के प्रारंभिक ले-आउट को स्वीकृत किया गया। योजना को अप्रैल में लांच करने की तैयारी की जा रही है। ग्राम उचटी में पीपीपी मॉडल पर लैंड पूलिंग के माध्यम से पायलट प्रोजेक्ट के रूप में आवासीय योजना विकसित करने का फैसला लिया गया।

संशोधित कानपुर महायोजना-2031 का अनुमोदन: योजना विकसित के लिए 550 बीघा जमीन चिह्नित की गई है। कुछ काश्तकारों ने सहमति भी दी है। बोर्ड ने टीओडी जोन के अंतर्गत आने वाली प्राधिकरण की विकसित योजनाओं और पूर्ववर्ती संस्था कानपुर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट, कानपुर डेवलपमेंट बोर्ड से विकसित योजनाओं में टीओडी नीति के प्रावधान लागू करने का प्रस्ताव स्वीकृत किया। संशोधित कानपुर महायोजना-2031 का अनुमोदन किया गया। भवन निर्माण एवं विकास उपविधि में संशोधन करने का प्रस्ताव पर मुहर लगी। इसके तहत अब साढ़े सात मीटर चौड़ी सड़क के किनारे भी पेट्रोल पंप खुल सकेंगे।

अभी तक नौ मीटर चौड़ी सड़क की अनिवार्यता थी। अस्थायी टॉवर निःशुल्क लगाने के लिए मंजूरी दी गई। सिग्नेचर ग्रींस में नवनिर्मित शॉपिंग मॉल कम ऑफिस और होटल को बेचने के लिए होटल एवं मॉल मालिकों के साथ बैठक करने का प्रस्ताव भी स्वीकृत हुआ। बैठक में डीएम जितेंद्र कुमार सिंह, नगर आयुक्त सुधीर कुमार, केडीए सचिव अभय कुमार पांडेय, विशेष आमंत्रित सदस्य नीरज श्रीवास्तव, कानपुर देहात डीएम के नामित प्रतिनिधि, केस्को, जल निगम, कोषागार, उद्योग आदि विभागों के प्रतिनिधि, बोर्ड के नामित सदस्य शामिल रहे।

टाउनशिप के रूप में विकसित होंगी दोनों आवासीय योजनाएं: केडीए 29 साल से बहुप्रतीक्षित न्यू कानपुर सिटी और उचटी आवासीय योजना को टाउनशिप के रूप में विकसित करेगा। न्यू कानपुर सिटी में 500 से ज्यादा परिवारों का आवास का सपना पूरा होगा।

चार साल तक काटे डूडा के चक्कर, डीएम ने एक घंटे में करा दी रजिस्ट्री

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में डूडा विभाग की गलती का खामियाजा रावतपुर गांव निवासी दिव्यांग सर्वेश कुमार चार साल से भुगत रहा था। कालोनी की रजिस्ट्री कराने के लिए वह कार्यालय के चक्कर काट रहा था। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह से समस्या बताई, जिस पर जिलाधिकारी ने डूडा मुख्यालय लखनऊ में बातकर की और एक घंटे में पोर्टल में गलती का सुधार कराकर रजिस्ट्री कराई। परेशान फरियादी खुश होकर घर लौटा।

रावतपुर गांव निवासी सर्वेश कुमार फरियाद लेकर जिलाधिकारी के जनता दर्शन में पहुंचा था। बताया कि साहब, शत प्रतिशत दिव्यांग और पिछड़ा वर्ग श्रेणी में आता हूं। चार वर्ष पहले डूडा विभाग की पीएम आवास योजना (शहरी) में महावीरनगर एक्सटेंशन में आवास आवंटित हुआ था। इसकी रजिस्ट्री एमआईएस पोर्टल पर सामान्य वर्ग की श्रेणी में प्रदर्शित हो रही थी। इसकी वजह से जाति वर्ग की श्रेणी में अंतर आ रहा है। रजिस्ट्री नहीं हो पा रही है।

करीब एक घंटे में हो गई रजिस्ट्री: जिलाधिकारी ने इस पर पहले परियोजना अधिकारी डूडा से बात की। पता चला कि यह बदलाव लखनऊ स्थित डूडा मुख्यालय से होगा। डीएम ने तुरंत मुख्यालय में बात की और दिव्यांग को सामान्य वर्ग से पिछड़ा वर्ग में शामिल कर रजिस्ट्री करने की बात कही। करीब एक घंटे में बदलाव होकर रजिस्ट्री हो गई और पोर्टल पर भी दिखने लगी।

गुटखा खाकर जनता दर्शन पहुंचे लोगों से लिखवाया शपथ पत्र: जनसुनवाई में सचेंडी निवासी पूजा पति पंकज गुप्ता के साथ शिकायती पत्र लेकर आई थीं। बातचीत के दौरान जिलाधिकारी की नजर पंकज पर पड़ी। वह गुटखा खाकर बात कर रहे थे। जिलाधिकारी ने पूछा, गुटखा खाया है क्या, जिस पर उन्होंने हां कहा। डीएम ने डांट लगाई और समझाया कि कैंसर को क्यों बुला रहे हो। इससे आप अपने परिवार को नष्ट कर दोगे। अब आप मसाला नहीं खाएंगे। उन्होंने कागज मंगवाया और पंकज से शपथ पत्र लिखवाया। डीएम ने लिखा हुआ शपथ पत्र अपने पास रख लिया और कहा कि तुम्हारी पत्नी ने शिकायत की तो तुम्हें जो दंड दिया जाएगा, वह स्वीकार करना होगा।

दड़ी बाजार तिहरे हत्याकांड के छह दोषी सेंट्रल जेल आगरा भेजे... एक महिला के चक्कर में हुआ था खूनखराबा

मेरठ , एजेंसी। गुदड़ी बाजार में करीब साढ़े 16 साल पहले हुए तिहरे हत्याकांड के छह दोषियों को सेंट्रल जेल आगरा भेज दिया गया है। इजलाल, अफजाल, शीबा और महराज को मुकदमे विचाराधीन होने की वजह से अभी शिफ्ट नहीं किया गया है। जेल अधिकारियों का कहना है कि आजीवन कारावास के मामलों में बंदी को आगरा जेल भेजे जाने की रुटीन प्रक्रिया है। 23 मई 2008 की दोपहर बागपत और मेरठ जिले की सीमा पर बालैनी नदी के किनारे तीन युवकों के शव पड़े मिले थे। इनकी पहचान मेरठ निवासी 27 वर्षीय सुनील ढाका निवासी निवासी ढिकौली बागपत, 22 वर्षीय पुनीत गिरि निवासी खटकी परीक्षितगढ़ और 23 वर्षीय सुधीर उज्ज्वल निवासी सिरसलगढ़ बिनौली बागपत के रूप में हुई थी। जांच में सामने था आया कि 22 मई की रात कोतवाली के गुदड़ी बाजार में हाजी इजलाल कुरैशी ने अपने भाइयों और साथियों के साथ मिलकर तीनों की हत्या की। इजलाल की दोस्त शीबा सिरोही को हत्या के लिए उकसाने का आरोपी बनाया गया था। 22 अगस्त 2008 को कोतवाली पुलिस ने तिहरे हत्याकांड में 14 आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान दो आरोपी इसरार और माजिद की मौत हो गई थी। अगस्त 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने इस मुकदमे में रोजाना सुनवाई करने के आदेश दिए थे। दस जुलाई 2024 तक लगातार हर रोज सुनवाई हुई। 14 साल तक सभी को जेल में रहना पड़ा। 2023 में इजलाल पक्ष की तरफ से हाईकोर्ट में जमानत अर्जी लगाई, 14 साल जेल में रहने के चलते जमानत मिल गई थी। सभी नौ आरोपी तब से बाहर थे। एक अगस्त को कोर्ट ने इजलाल और उसके भाई अफजाल, महराज, कल्लू उर्फ कलुआ, इजहार, मुन्नू ड्राइवर उर्फ देवेंद्र आहूजा, वसीम, रिजवान, बदरुद्दीन पर हत्या समेत तमाम धाराओं और शीबा सिरोही पर हत्या के लिए उकसाने के आरोपों को सही मानते हुए दोषी करार दिया था। हत्याकांड के दो आरोपी इसरार और माजिद की मौत हो चुकी है। एक आरोपी शम्मी जेल में है, उसका ट्रायल चल रहा है। एक आरोपी को नाबालिग बताए जाने के चलते हाईकोर्ट में अपील विचाराधीन है। तिहरे हत्याकांड में दो मुकदमे दर्ज हुए थे। इजलाल के मुकदमे में 27 गवाह और शीबा के मुकदमे में 12 गवाह पेश किए गए थे। इजलाल और सेना के कैप्टन की तलाकशुदा पत्नी शीबा सिरोही की दोस्ती थी। सुनील ढाका, सुधीर उज्ज्वल और पुनीत गिरि इसका विरोध करते थे। बाद में इजलाल ने तीनों युवकों से समझौता कर लिया था। शीबा को इजलाल का तीनों से मिलना पसंद नहीं था।

नोएडा में जरूरतमंदों के लिए कपड़ा संग्रहण शिविर का आयोजन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। पहचान एनजीओ टीम और आरडब्ल्यूए सेक्टर 22 के संयुक्त तत्वावधान में, ई ब्लॉक सेक्टर 22, नोएडा में जरूरतमंद लोगों के लिए पुराने कपड़े और अन्य उपयोगी सामान एकत्रित करने के उद्देश्य से एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य वंचित समुदायों को आवश्यक वस्त्र और सामग्री प्रदान करना है, ताकि वे दैनिक जीवन में उनका उपयोग कर सकें।कार्यक्रम के दौरान, स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक अपने घरों से साफ और उपयोगी कपड़े, और अन्य आवश्यक वस्तुएं दान कीं। इन सामग्रियों को पहचान एनजीओ की टीम ने एकत्रित किया और उन्हें जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने की योजना बनाई है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वंचित लोगों की सहायता करना और उन्हें आवश्यक संसाधन प्रदान करना है।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में चौकी इंचार्ज विकास राणा ,सब इंस्पेक्टर विकल चौधरी,नरदेव व उनके साथ वीरेन्द्र उपस्थित रहे।उनकी उपस्थिति ने इस सामाजिक प्रयास को और भी प्रेरणास्पद बना दिया।चौकी इंचार्ज विकास राणा ने इस अवसर पर कहा

कि समाज के हर वर्ग का कर्तव्य है कि वह जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आए। सेक्टर 22 के निवासियों की यह पहल सराहनीय है और अन्य समुदायों के लिए प्रेरणास्रोत है।पहचान एनजीओ के प्रतिनिधियों ने बताया कि दान किए गए कपड़ों की गुणवत्ता और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि लाभार्थियों को सर्वोत्तम सहायता मिल सके। उन्होंने यह भी अपील की कि भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रखें, जिससे समाज में समानता और भाईचारे की भावना प्रबल हो।इस कार्यक्रम की सफलता में कई प्रमुख व्यक्तियों और संगठनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। आरडब्ल्यूए सेक्टर 22 के संरक्षक और ब्राह्मण रक्षा दल के अध्यक्ष पं. रवि शर्मा, अध्यक्ष मदन शर्मा, लक्ष्मण दसमाना , रविन्द्र शेखावत, रवि विश्वकर्मा, जी ब्लॉक के श्री पाठक, सदाव खान, पवन शर्मा, डी. के. कटोच, अरुणांचलम, डॉ. विपुल राय व अन्य आरडब्ल्यूए सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।पहचान एनजीओ टीम से अध्यक्ष/संस्थापक श्री वेद प्रकाश सिंह, वालंटियर महासचिव पवन शर्मा, नीलेश सिंह,अंकित शर्मा, राज आनंद,अजय कुमार, मनोज पपने,शुभम शर्मा, और महिला शक्ति से मनीषा शर्मा,ममता शर्मा,वंदना,कोमल तिवारी, अदिति शर्मा,अर्जुन अहीरवाल , प्रादुल पांडे, राम कुमार, सौरभ त्यागी और मनेंद्र त्यागी ने इस संग्रहण शिविर के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पहचान एनजीओ टीम इस सामाजिक पहल को सफल बनाने में मदद करने वाले सभी स्थानीय संगठनों, व्यक्तियों, और समर्थकों का हार्दिक धन्यवाद करती है। यह आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने और एकजुट होकर सेवा करने की प्रेरणा देता है।

धर्मेन्द्र शर्मा तीसरी बार बने आरडब्ल्यूए अध्यक्ष

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। रविवार को सेक्टर 34 अरावली रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन में धर्मेंद्र शर्मा लगातार तीसरी बार आरडब्ल्यूए अध्यक्ष चुने गए। एसोसिएशन के चुनाव में 14 पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ है। लेकिन अध्यक्ष एव महासचिव पद पर रविवार को मतदान सम्पन्न हुआ जिसमे धर्मेन्द्र शर्मा ने एकतरफा जीत दर्ज करते हुए अपने प्रतिद्वंदी किशन झींगा को पराजित किया। उनको कुल पड़े वोट में से वोट प्राप्त हुए महासचिव पद पर प्रदीप सिंह ने विवेक शर्मा को वोटों से हराया।धर्मेंद्र शर्मा वर्तमान में नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए सेक्टर 34 के महासचिव भी हैं।चुनाव में बड़ी जीत के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सोसायटी के विकास कार्यों को और अधिक गति देना होगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सोसायटी के निवासियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए पूरी कार्यकारिणी प्रतिबद्ध

रहेगी।उन्होंने सभी मतदाताओं का आभार भी प्रकट किया चुनाव अधिकारी राजेश सक्सेना और चुनाव अधिकारी विजय कुमार गिरी ने बताया कि उपाध्यक्ष अमित रस्तोगी महासचिव प्रदीप सिंह, संयुक्त सचिव अजय श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष आरपी प्रजापति, सह कोषाध्यक्ष अविनाश कुमार और कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सविता केदार,पदमा नायडू आर. पी. वर्मा राम बी कुमार अजय रस्तोगी,आरपी सिंह, सुरेश जी बने नीलम कुमारी मुनीश बाबू संतराज सिंह निर्वाचित हुए।

हाउस टैक्स : रविवार को नगर निगम ने लगाए कैंप, 41 लाख की हुई वसूली

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गाजियाबाद : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार हाउस टैक्स वसूली को बढ़ाने के लिए अवकाश दिवस में भी 12 स्थान पर कैंप लगवाए गए। रविवार को भी जोनल कार्यालय खोले गए, जिससे करदाताओं को सहूलियत मिले। नगर निगम के पांचो जोन से 41 लाख की वसूली हुई और 1103 करदाताओं ने कैंप का लाभ उठाया। इसी कड़ी में वसुंधरा में 850, विजयनगर में 71, कवि नगर में 12, मोहन नगर क्षेत्र में 100 और सिटी जोन अंतर्गत 70 करदाताओं ने कैंप में हाउस टैक्स जमा कराया।

मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डॉ. संजीव ने सभी कैंप का निरीक्षण भी किया। वसुंधरा जोन अंतर्गत 17 लाख की वसूली हुई, कवि नगर जोन अंतर्गत 6 लाख की वसूली हुई, मोहन नगर जोन से 8 लाख की वसूली हुई, विजयनगर

अंतर्गत 5 लाख की वसूली हुई, सिटी जोन अंतर्गत 5 लाख की वसूली हुई। इसके अलावा इंदिरापुरम क्षेत्र से अनुरक्षण शुल्क के रूप में चार लाख की वसूली कैंप के माध्यम से हुई। गाजियाबाद नगर निगम टीम के द्वारा कड़ी मेहनत के साथ शहर हित में लगातार कार्य किया जा रहा है और हाउस टैक्स वसूली को भी बढ़ाया जा रहा है। पार्षद भी आवश्यक वसूली में निगम का सहयोग कर रहे है। करदाताओं को गाजियाबाद नगर निगम द्वारा लगाए गए कैंप से सहूलियत रही। सभी ने हाउस टैक्स जमा कराया तथा गाजियाबाद नगर निगम का धन्यवाद भी किया। आगे भी अन्य क्षेत्रों में 31 मार्च तक अवकाश दिवसों में भी कैंप लगते रहेंगे, जिससे शहर वासियों को लाभ मिलेगा। बड़े करदाताओं से हाउस टैक्स वसूलने के लिए कार्यवाही को बढ़ाया जा रहा है, जिसमें सीलिंग की कार्यवाही आज से और अधिक तेजी से की जाएगी।

बीमा कंपनी को 5 .60 लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश

फ्यूचर लाइन टाईम्स

नोएडा। जिला उपभोक्ता फोरम ने स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी को बड़ा झटका देते हुए 5.60 लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया है। यह फैसला नोएडा के सेक्टर-48 निवासी लक्ष्मी रतन सिंह के पक्ष में आया, जिन्होंने बीमा कंपनी पर क्लेम देने से इनकार करने का आरोप लगाते हुए फोरम में वाद दायर किया था। लक्ष्मी रतन सिंह ने 16 जनवरी 2021 को एजेंट वसीम खान से स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी में 10 लाख रुपये की कैशलेस मेडिक्लेम फैमिली फ्लोटर पॉलिसी खरीदी थी। इसके लिए उन्होंने 28,341 रुपये का प्रीमियम चुकाया था। लेकिन जब पॉलिसी के दस्तावेज मिले, तो उसमें उनकी और उनकी पत्नी की पुरानी बीमारियों का कोई उल्लेख नहीं था। शिकायत करने पर एजेंट ने दूसरा प्रमाण पत्र भेजा, लेकिन उसमें भी गड़बड़ी बरकरार रही।जनवरी 2023 में लक्ष्मी रतन सिंह को अपोलो अस्पताल में घुटने की सर्जरी करानी पड़ी। अस्पताल प्रशासन ने बीमा कंपनी को 5,21,171 रुपये का बिल भेजा, लेकिन कंपनी ने यह कहते हुए भुगतान करने से इनकार कर दिया कि पॉलिसी में उक्त बीमारी का उल्लेख नहीं है। मजबूर होकर लक्ष्मी रतन सिंह ने अपनी जेब से अस्पताल का बिल भरा और फिर बीमा कंपनी से संपर्क किया, लेकिन उन्हें लगातार टाल-मटोल का सामना करना पड़ा।

फोरम ने दिया पीड़ित के पक्ष में फैसला

बीमा कंपनी के झांसे से परेशान होकर लक्ष्मी रतन सिंह ने जिला उपभोक्ता फोरम का दरवाजा खटखटाया। फोरम के अध्यक्ष अनिल कुमार पुंडीर और सदस्य अंजू शर्मा ने मामले की सुनवाई के बाद बीमा कंपनी को 5,41,171 रुपये मेडिक्लेम राशि, 9,294 रुपये ब्याज, 5,000 रुपये मानसिक प्रताड़ना और 5,000 रुपये अन्य खर्च के रूप में कुल 5.60 लाख रुपये 30 दिन के भीतर पीड़ित को देने का आदेश दिया।

मानव उत्थान सेवा समिति ने चलाया नशा उन्मूलन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नई दिल्ली: अखिल भारतीय सामाजिक एवं आध्यात्मिक संस्था मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वाधान में दिल्ली एनसीआर में मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में साध्वी गीतिका बाई जी ने कहा कि नशा आज समाज की गंभीर समस्या बन गया है। इसके दुष्परिणामों की जानकारी देने के लिए यह कार्यक्रम चलाया गया। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम जिसके प्रेरक सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं आध्यात्मिक गुरु पूज्य सतपाल जी महाराज है। उनकी प्रेरणा से संस्था समय समय पर आध्यात्मिक ज्ञान के प्रचार-प्रसार के साथ साथ अनेक सामाजिक कार्यों में संलग्न है जैसे रक्तदान शिविर, मिशन एजुकेशन, मिशन मेडिसन, भूकंप एवं प्राकृतिक आपदाओ मे निशुल्क राहत सामग्री वितरण, बेसहारा एवं निर्धन व्यक्तियों को राहत सामग्री एवं वस्त्र वितरण, नशा उन्मूलन पर जन जागृति अभियान चलाकर समाज मे जागरूकता फेलाना, निशुल्क सवास्थ्य शिविर, आदि कार्यों को संचालित करती है। आज का युवा नशे की गिरफ्त में आता जा रहा है। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है जिस पर हमें ध्यान देने की जरूरत है। इसी श्रखंला मे समिति नशा मुक्ति अभियान के तहत मानव उत्थान सेवा समिति दिल्ली के सातों जिलों में और एनसीआर में विभिन्न जगहों पर सुबह प्रभात फेरी निकालकर लोगों को नशे से मुक्ति के लिए जागृत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार राहुल चौहान ने अपने संबोधन में कार्यक्रम में आए

लोगों से नशा मुक्ति अभियान को एक जन आंदोलन बनाने की अपील की. उन्होंने कहा कि जब तक इस आंदोलन में जन भागीदारी नहीं बढ़ेगी तब तक यह नशा मुक्ति का कार्यक्रम अपने उद्देश्य को पूरा करने में सफल नहीं होगा. नशा आज देश में एक बड़ी समस्या बन चुकी है और इसके लिए हमें एक साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। प्रभात फेरी के बाद आयोजित विशाल सदभावना सत्संग समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के नाटकों के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों के बारे अवगत कराया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार एवं पंचायत संदेश पत्रिका के संपादक बद्रीनाथ सिंह ने कहा कि नशा समाज में एक बड़ी बुराई के रूप में पंक चुका है उसको खत्म करने के लिए लोगों को आगे आना चाहिए अगर अपने आने वाली पीढियां को और वर्तमान पीढ़ी के भविष्य को उज्जवल बनाना है तो उनको नशाखोरी की लत से बचाना होगा. विभिन्न तीर्थों से आए हुए संत महात्माओं ने युवाओं को नशा छोड़ने और नशे के भयंकर परिणामों के बारे में अवगत कराया। वहीं, साध्वी प्रवीणा बाई ने कहा कि इस आजकल के तनाव पूर्ण जीवन से छुटकारा पाने के लिए व्यक्ति नशे की ओर बढ़ गया है, जबकि गुरु नानक देव जी ने कहा है, नशा भांग शराब का उतर जात प्रभात, नाम खुमारी नानका चढ़ी रहे दिन रात", हमें प्रभु नाम का सहारा लेने की जरूरत है ताकि हम नशे की आवश्यकता से मुक्त हो सकें और हमारे जीवन का उत्थान हो सके। ईश्वर के ध्यान से हमें भौतिक ताप नहीं सताते हैं. हम विषम परिस्थितियों में बिना विचलित हुए अपने सामाजिक कत्तव्य का निर्वाह करने में सक्षम हो जाते हैं। गुरु महाराज जी का संदेश है कि भारत तभी विश्व गुरु बन सकता है जब इसमें सभी प्रकार की बुराईयां खत्म होंगी, नशे से युवा मुक्त होगा। मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा चलाए गए इस अभियान में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और समाज के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने इसकी प्रशंसा की व कहा की यह बहुत ही आवश्यक अभियान है। कार्यक्रम का संचालन संस्था से जुड़े हुए एवं समाजसेवी जितेंद्र अरोड़ा ने किया।

करोड़ों से बने साइकिल ट्रैक पर सफाई का काम शुरू

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। साइकिल ट्रैक का नाम आते ही प्रदेश में सपा सरकार के कार्यकाल की यादें ताजा हो जाती हैं। प्रदेश में सपा सरकार के कार्यकाल में करोड़ों रुपये की लागत से बने साइकिल ट्रैक को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण वर्षों से भूला बैठा था। प्राधिकरण अधिकारियों को अचानक ट्रैक की याद आ गई। ट्रैक की सफाई का काम तेजी से शुरू हो गया है। कर्मचारी लगाकार नॉलेज पार्क 2 व 3 में सफाई के साथ ही मेंटेनेंस का काम तेजी से चल रहा है। जल्द ही अन्य स्थानों पर बने ट्रैक को भी साफ कराया जाएगा।

सपा सरकार के कार्यकाल में करोड़ों रुपये की लागत से जिले में विभिन्न स्थानों पर साइकिल ट्रैक का निर्माण कराया गया था। नॉलेज पार्क में कई किलोमीटर लंबा साइकिल ट्रैक बनाया गया था। खास बात है कि इस ट्रैक पर आज तक साइकिल नहीं चली। कई बार पैदल जाने के लिए लोग इसका प्रयोग अवश्य कर लेते हैं। स्थिति यह हो गई थी कि ट्रैक पर गंदगी के साथ ही झाड़ियां भी उग आई थीं। कई वर्ष बाद प्राधिकरण अधिकारियों को साइकिल ट्रैक की याद आ गई है। जिसे व्यवस्थित करने का काम तेजी से चल रहा है।

गुमशुदा 5 साल की बच्ची को वापस पाकर परिजनों को मिला सुकून

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। सूरजपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक पांच वर्षीय बच्ची अपने मामा के घर आई थी। वह बारात देखने के लिए घर से निकली, लेकिन रास्ता भटक गई। परिजनों ने उसे काफी तलाश किया, लेकिन बच्ची का कोई पता नहीं चला। घबराए हुए परिजनों ने थाना सूरजपुर पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही थाना सूरजपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक विशेष टीम का गठन किया। टीम ने आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की और बच्ची के संबंध में जानकारी जुटाई। लगातार खोजबीन के बाद पुलिस को सफलता मिली और मात्र दो घंटे के भीतर बच्ची को सुरक्षित खोज लिया गया। बच्ची को सकुशल बरामद करने के बाद पुलिस ने उसे उसके परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने राहत की सांस ली और सूरजपुर पुलिस का आभार व्यक्त किया।

बेरोइ इंक के दफ्तरों से टेकसाई रिसर्च का गोपनीय डेटा बरामद

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर अमेरिकी कंपनी बेरोइ इनकॉरपोरेशन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। कंपनी के चेन्नई और नोएडा स्थित कार्यालयों पर छापेमारी में टेकसाई रिसर्च की गोपनीय फाइलें और संवेदनशील डेटा बरामद किया गया है। न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा के निर्देश पर स्थानीय पुलिस और आयुक्त की टीम ने यह कार्रवाई की। छापेमारी में मिले दस्तावेज टेकसाई रिसर्च की मालिकाना बाजार खुफिया जानकारी से जुड़े हैं। इन दस्तावेजों की बरामदगी से कॉर्पोरेट सुरक्षा में बड़ी सेंध का पता चला है। आरोप है कि बेरोइ इनकॉरपोरेशन इन दस्तावेजों का इस्तेमाल बाजार में अनुचित लाभ के लिए कर सकती थी, जिससे टेकसाई रिसर्च को भारी नुकसान होने की आशंका थी। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बेरोइ इनकॉरपोरेशन पर लगे गोपनीय व्यापार रणनीतियों की चोरी के आरोप सिद्ध होते हैं, तो यह मामला कॉर्पोरेट जासूसी और बौद्धिक संपदा चोरी के दायरे में आ सकता है। जांच अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए दस्तावेजों में टेकसाई रिसर्च की महत्वपूर्ण व्यावसायिक रणनीतियां शामिल हैं, जिनका दुरुपयोग कर बाजार में अनुचित लाभ लिया जा सकता था।

यह मामला कॉर्पोरेट जगत में बड़ी चिंता का विषय

बेरोइ इनकॉरपोरेशन की साख पर सवाल बेरोइ इनकॉरपोरेशन पर लगे इन आरोपों से इसकी कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा को भारी झटका लगा है। इस घटना ने उद्योग जगत में डेटा सुरक्षा के प्रति बढ़ती चिंताओं को उजागर किया है। यह मामला यह भी दर्शाता है कि प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने के लिए कंपनियां किस हद तक जाने को तैयार हैं। फिलहाल, पुलिस और न्यायालय इस मामले की गहन जांच कर रहे हैं। यदि बेरोइ इनकॉरपोरेशन पर लगे आरोप सही पाए जाते हैं, तो कंपनी को गंभीर कानूनी कार्रवाई और भारी दंड का सामना करना पड़ सकता है।

चोरी हुए 57 मोबाइल किए वापस

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। थाना फेज-2 पुलिस ने 24 दिसंबर को 2 लिटिल चोर को पकड़ा था। इन दोनों के पास से 30 मोबाइल फोन बरामद किए गए। इन दोनों की निशानदेही पर तीन और लिटिल चोर पकड़े गए। जिनके पास से 27 मोबाइल मिले। ऐसे कुल 57 मोबाइल को उनके मालिकों को वापस किया गया। डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि ये लिटिल चोर भीड़ भाड़ वाले बाजारों से मोबाइल चोरी करते थे। और तय की गई दुकानों पर बेचते थे। इन दुकानदारों को भी पकड़ा गया है।डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि शनिवार को फेस-2 पुलिस ने कोर्ट के आदेशानुसार इस प्रकरण से संबंधित 57 मोबाइल फोन को उनके मालिकों से संपर्क कर वापस लौटाया। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों की सहायता से सभी मोबाइल फोन मालिकों के बारे में जानकारी एकत्र की। उनसे सम्पर्क कर उनका फोन मिलने की सूचना दी गई। ऐसे में सभी लोग थाना फेज-2 आए और मोबाइल फोन प्राप्त किया। ये लिटिल चोर महिलाओं को टारगेट करते थे।उन्होंने बताया कि अपराधी समूह में काम करते थे और अगर किसी को पकड़े जाने का डर होता, तो वे चोरी किए गए मोबाइल फोन को अपने साथी को दे देते थे। चोरी किए गए मोबाइल फोन को झारखंड या पश्चिम बंगाल में कम कीमत पर बेच दिया जाता था। अपराधी बिना अभिभावक के विभिन्न स्थानों पर किराए के कमरे में रहते थे और ठेले पर खाना खाते थे। पकड़े जाने के डर से शातिर एक स्थान पर अधिक समय तक नहीं रुकते थे और अक्सर स्थान बदलते रहते थे।डीसीपी के मुताबिक अपराधियों का कोई निश्चित ग्राहक नहीं था। वे मोबाइल को मोल-तोल करके जहां भी अधिक कीमत मिलती, वहां बेच देते थे। इन अपराधियों में दो अनपढ़ थे और तीन ने केवल प्राइमरी शिक्षा प्राप्त की थी।

शिव जयंती के अवसर पर "राजयोग द्वारा डर पर विजय" कार्यक्रम आयोजित

फ्यूचर लाइन टाईम्स-नोएडा। ब्रह्माकुमारीज सेक्टर 46, 51 और 15 नोएडा ने आज गार्डेनिया ग्लोरी, सेक्टर 46 में शिव जयंती के अवसर पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया।इस कार्यक्रम का विषय था "राजयोग द्वारा डर पर विजय" और इसमें सैकड़ों लोग उपस्थित हुए।कार्यक्रम की शुरूआत ब्रह्माकुमारी आँचल दीदी और ब्रह्माकुमारी लीना दीदी द्वारा निर्देशित ध्यान सत्र से हुयी।लीना दीदी ने कहा कि भगवान शिव का एक नाम 'भूतनाथ' है, जो डर के भूत को नष्ट करने का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि राजयोग ध्यान के माध्यम से हम परमात्मा को अपना साथी बना सकते हैं और डर से मुक्ति पा सकते हैं। राजयोग ध्यान एक सरल और प्रभावशाली विधि है, जिसे कोई भी व्यक्ति कहीं भी, कभी भी कर सकता है। यह विधि आत्मा की शुद्धि करती है और मानसिक तनाव को कम करती है,

जिससे व्यक्ति को आंतरिक शांति और शक्ति मिलती है।डर पर विजय पाने के लिए, राजयोग ध्यान आंतरिक शक्ति और स्पष्टता को बढ़ाता है।यह मन को नियंत्रित करने में मदद करता है, जो डर को दूर करने के लिए आवश्यक है। राजयोग के नियमित अभ्यास से व्यक्ति अपनी आध्यात्मिक पहचान को पहचान सकता है, जिससे निराशा में भी आशा मिलती है।ब्राह्माकुमारी पारुल ने एक वीडियो के माध्यम से बताया कि डर हमारे विश्वासों और शरीर के प्रति आसक्ति का परिणाम होता है। यदि हम अपने आप को सिर्फ शरीर न मानकर आत्मा समझें, तो हम अपने डर को भी समाप्त कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि मन के जीते जीत है, मन के हारे हार है," और श्रोताओं को अपने डर पर विजय प्राप्त करने के लिए जागरूक और तैयार रहने के लिए प्रेरित किया। उपनिषद को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि मन एव मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयोः। बन्धाय विषयासक्तं मुक्त्यै निर्विषयं स्मतम॥" अर्थात मन ही सभी मनुष्यों के बंधन एवं

मोक्ष का प्रमुख कारण है।विषयों में आसक्त मन बंधन का और कामना-संकल्प से रहित मन ही मोक्ष (मुक्ति) का कारण कहा गया है।इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन की प्रोफेसर डॉ. नीतू जैन ने अपने प्रेरणादायक भाषण में कहा कि "कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।" उन्होंने बताया कि डर पर विजय प्राप्त करना एक यात्रा है और इसकी शुरूआत छोटे कदमों से होती है। ईश्वर का सहारा लेने की बात करते हुए उन्होंने श्रोताओं को सोच और दृष्टिकोण बदलने के लिए प्रेरित किया।उन्होंने कहा कि जो तूने रब से लौ लगायी तो दिल में खौफ ये जवाल कैसा, कि जिसकी कश्ती को थाम ले वो तो डूबने का सवाल कैसा। ये तेरी शोहरत ये कामयाबी तो इसमें तेरा कमाल कैसा, जो जीत उसके करम से है तो हारने का मलाल कैसा।" उन्होंने आगे कहा कि सोच बदलें तो सितारे बदल जाते हैं, नजर बदलें तो नजारे बदल जाते हैं; कश्ती बदलने से कुछ नहीं होगा, दिशा बदलें तो किनारे बदल जाते

हैं।" उन्होंने श्रोताओं को स्वयं को बदलने के बारे में सोचने के लिए प्रेरित किया और कहा कि "उम्र भर यही भूल करता रहा, धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करता रहा।" एक बेहद ऊजार्वान और प्रेरणादायक भाषण के द्वारा उन्होंने लोगों को अपने डर के ऊपर जीत प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, मनोवैज्ञानिक प्रिया भार्गव ने भी श्रोताओं से आत्म-संदेह पर विजय प्राप्त करने की बात की। उन्होंने कहा कि अपने डर के विचारों को लिखें और उन्हें वगीर्कृत करें झ जिनका समाधान हम नियंत्रित कर सकते हैं, जिनका आंशिक समाधान है और जो हम नहीं बदल सकते, उन्हें अनदेखा करें।और विकृतियाँ जो गलत आत्म-निर्णय के कारण होती हैं, जिन्हें कमजोर करने के लिए सबूतों की खोज करके दूर किया जाना चाहिए।यह विधि व्यक्ति को अपने डर से निपटने और मानसिक शांति प्राप्त करने में मदद करती है।

कार्यक्रम में 500 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें वरिष्ठ अधिकारी और समाज के विभिन्न क्षेत्रों के लोग शामिल थे।कार्यक्रम में आरके सिंह (सेवानिवत्त आईएएस), अरुण कुंद्रा (आयकर वकील), रवींद्र जैन (वरिष्ठ वैज्ञानिक) और पंकज माथुर (पूर्व निदेशक, आईओसी जेवी) भी उपस्थित थे।नृत्य और एक लघु नाटिका के माध्यम से कार्यक्रम में भय पर विजय का विषय भी प्रस्तुत किया गया।यह कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज के तत्वावधान में आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य लोगों को राजयोग ध्यान के माध्यम से डर पर विजय प्राप्त करने और एक संतुष्ट जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम ने यह साबित किया कि आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और राजयोग ध्यान के माध्यम से हम किसी भी डर को परास्त कर सकते हैं और जीवन को खुशहाल बना सकते हैं।

दिल्ली रेलवे स्टेशन हादसा : भगदड़ से शमशान घाट बन गया रेलवे स्टेशन जिम्मेवार कौन?

नरेंद्र भारती

देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा।

भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गई ' महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई ' देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं जिसका ताजा घटनाक्रम 15 फरवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई ' अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सुखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सेकड़ों घायल हो गए थे ' रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है ' ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी 'कुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पडा था। भगदड़ में सैकडों

महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी। प्रशासन को पता था कि लाखों की तादाद में लोग व बच्चे आएगें तो सुरक्षा के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। सरकार ने भले ही हादसे की न्यायिक जांच के आदेश दे दिए है मगर जो काल का गाल बन गए उसकी भरपाई कैसे होगी। अब प्रशासन मृतकों को लाखो रुपया मंआवजा दे रही है अगर पहले से ही सुरक्षा के इंतजाम किए होते तो यह हादसा रुक सकता था। मुआवजा समस्या का हल नहीं है। सरकारो द्वारा जो पैसा मुआवजे के रुप में दिया जाता है उससे व्यवस्था को सुधारने में लगाया होता तो आज यह नौबत न आती। आकडों पर नजर डाले तो आत्मा सिहर उठती है। 3 फरवरी 1954 को कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से 800 लोगों की मौत हुई थी ' 1986 में भी कुम्भ में में भगदड़ मचने से 200 लोग मारे गए थे '2006 में भी सिंध नदी में 50 तीर्थयात्री बह गए थे। 10फरवरी 2013 को इलाहाबाद में कुम्भ मेले 36 लोगों की मौत हुई थी और 39 लोग घायल हुए थे। 26 जनवरी 2005 को महाराष्ट्र के सतारा जिले के मंधेरी मंदिर में 350 लोगों की दर्दनाक मौत हुई थी।नवंबर 2006 में उडीसा के शंदरपुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में आरती के समय भदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनो घायल हुए थे।झारखंड के देवधर के एक आश्रम में भगदड़ से 9 लोगों की मौत हो गई थी, 30 सितंबर 2008 को जोधपुर में चामुडा देवी मंदिर में 250 लोगों की मोत हुई थी।3 अगस्त 2008 को हिमाचल प्रदेरूा के प्रसिध्द शक्तिपीठ नैना देवी में भगदड मचने से 162 लोग मारे गए थे तथा 300 घायल हुए थे। घटना के समय मंदिर में 20 से 25 हजार लोग मौजूद थे। मरने वालों में 104 लोग अकेले पंजाब के रहने वाले थे। 14 जनवरी 2011 को केरल के सबरीमाला मंदिर में भगदड़ में 106 श्रध्दालूओं की मौत हो गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। नंवबर 2012 में बिहार में छठ पुजा के दौरान गंगा नदी के घाट पर बना बांस का पुल टुटने से लोगों में भगदड़ मचने से 20 श्रध्दालुओं की मौत हो गई थी। बार-बार हादसे हो रहे हैं मगर सरकारें मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रही है।प्रशासन तब जागता है जब लाशों के ढेर लग जाते हैं। प्रशासन को इन हादसों को अनदेखा नहीं करना चाहिए। इस घटना ने प्रशासन की बदइंतजामी की पोल खोल दी हैं। इस हादसे में कई अनाथ हो गए तो माताएं व बहनों का सुहाग उजड गया। ऐसे हादसे ताउम्र रोते हुए छोड़ जातें है। छोटे बच्चे दर-दर की ठोकरें खातें हैं। केन्द्र सरकार को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए तथा दोषियो के खिलाफ कारवाई करनी चाहिए और प्रत्येक मंदिरों व आस्था स्थलों में आपदा से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन समितियां गठित करनी चाहिए। मंदिरो में हर वर्ष करोडो. रूपया चढावा चढता है मगर श्रध्दालूओं की सुरक्षा रामभरोसे ही चल रही है। मंदिर कमेटियो को भी इन हादसो से सीख लेनी चाहिए। ताकि आने वाले समय में इन हृदयविदारक हादसो को रोका जा सके। अगर अब भी सबक न सीखा तो श्रध्दालूओं को मंदिरों में मौत की सौगातें मिलती रहेगी और आस्था स्थल व रेलवे स्टेशन शमशानघाट बनते रहेगें।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

आस्था का महास्फोट

यह कुंभ कई मायनों में अप्रतिम रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के अनुसार अब तक प्रयागराज के महाकुंभ में लगभग 50 करोड़ श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। शायद ही कोई संत, महंत, साधु, संन्यासी ऐसा हो, जो चाहे किसी अखाड़े या संप्रदाय से क्यों न जुड़ा हुआ हो यहां न आया हो। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री से लेकर सत्ता पक्ष के लगभग सभी बड़े नेता कुंभ स्नान कर चुके हैं। अंबानी और अडानी सहित देश के शीर्षक उद्योगपति परिवारों के लोग त्रिवेणी के जल में स्नान कर चुके हैं। फिल्म उद्योग तथा अन्य गतिविधियों से जुड़े हुए प्रसिद्ध और चर्चित चेहरे प्रयागराज की माटी चूम चुके हैं। सामान्य श्रद्धालुओं का जो उत्साह प्रारंभ में उमड़ता हुआ दिखाई दिया था उसकी उमड़.किसी भी दिन कम नहीं हुई। मौनी अमावस्या के दिन दुखद दुर्घटना हुई। कुछ श्रद्धालुओं की मृत्यु भी हुई। कई स्तर पर अव्यवस्था भी दिखाई दी। प्रयागराज पहुंचने वाले हर मार्ग पर मीलों लंबे जाम लगे। इन सबके अतिरिक्त विपक्षी दलों के नेताओं। ने चुन चुन कर प्रहार किया कांग्रेस के नेताओं ने कुंभ की मूल भावनाओं पर ही सवाल खड़े किए। इसके बावजूद आस्था के ज्वार में हर उत्सव को ठंडा करने वाला हर तत्व बह गया। शायद दुनिया की यह एकमात्र ऐसी परिघटना है जहां आस्था का इतना विकेट उद्वेलन देखा जा रहा है। अगर राजनीति की बात हो तो सत्ता पक्ष सत्ता पक्ष उत्साहित है, लेकिन विपक्ष को आस्था का यह सैलाब परेशान कर रहा है और प्रश्न यह है कि यह बाढ़ के नियंत्रित पानी जैसा या सुनामी जैसा आस्था का जो समुद्र उमड़ा है, क्या वह किसी रचनात्मक ऊर्जा का प्रतीक है जिसे अंततः अनियंत्रित होकर अराजक हो जाना है। क्या हिन्दुत्ववादी शक्तियों के पास सचमुच कोई ऐसी योजना है जिससे आस्था की इस स्फोट से राष्ट्रीय समाज के उत्थान के अनुशासित ऊर्जा का सृजन हो सके। अगर यह आस्था सकारात्मक और रचनात्मक दिशा की ओर नहीं ले जायी जाती है तो इसके परिणाम भारत जैसे बहुलतावादी देश के लिए नकारात्मक भी हो सकते हैं। वस्तुतः आस्था के समुद्र पर ऐसे बांध बनाने की जरूरत है जिनसे राष्ट्र हितवारी ऊर्जा संपन्न हो सके और सामाजिक विवेक का विस्तार हो सके।

सूक्ति

सफलता हमेशा के लिए नहीं होती, विफलता कभी घातक नहीं होती यह तो लगे रहने की प्रवृत्ति हैं जो मायने रखती है
- विंस्टन चर्चिल

हमारे जीवन का उस दिन अंत होना शुरू हो जाता है जिस दिन हम उन विषयों के बारे में चुप रहना शुरू कर देते हैं जो मायने रखते है
- मार्टिन लूथर किंग

चिंतन-मनन

उत्तम शरण है धर्म

धर्म के बारे में भिन्न-भिन्न अवधारणाएं हैं। कुछ जीवन के लिए धर्म की अनिवार्यता को स्वीकार करते हैं। कुछ लोगों का अभिमत है कि धर्म ढकोसला है। वह आदमी को पंगु बनाता है और रूढ़ धारणाओं के घेरे में बंदी बना लेता है। शायद इन्हीं अवधारणाओं के आधार पर किसी ने धर्म को अमृत बताया और किसी ने अफीम की गोली। ये दो विरोधी तत्व हैं। इन दोनों ही तथ्यों में सत्यांश हो सकता है, यह अनेकांतवादी चिंतन का फलित है। धर्म की अनिवार्यता स्वीकार करने वालों के लिए धर्म है अंधकार से प्रकाश की यात्रा। आलोक आदमी के भीतर है। उसे पाने के लिए इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं है। आलोक तक वही पहुंच सकता है, जो अंतमरुखी होता है। अंतमरुखता धर्म है और बहिर्मुखता अधर्म है। अंतमरुखता प्रकाश है और बहिर्मुखता अंधकार है। अंतर्मुखता धर्म है और बहिर्मुखता अधर्म है। अंतर्मुखता आचार है और बहिमरुखता अतिचार है। जो व्यक्ति जितना भीतर झांकता है, उतना ही धर्म के निकट होता है।

धर्म को मानने वाले वे प्रबुद्ध लोग हैं जिन्होंने पूजा और उपासना को ही धर्म मान लिया। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा आदि धर्म-स्थानों में जाने वाले व्यक्तियों के हर आचरण को धर्म समझ लिया। धार्मिक क्रियाकांडों तक जिनकी पहुंच सीमित हो गई और धार्मिकों की दोहरी जीवनपद्धति को देखकर जो उलझ गए। भगवान महावीर अपने युग के सफल धर्म-प्रवर्तक थे। धर्म को जानने या पाने के लिए उन्हें किसी परंपरा का अनुगमन नहीं करना पड़ा। उन्होंने उस समय धर्म के द्विविध रुप का निरूपण किया। उनकी दृष्टि में धर्म का एक रूप अमृतोपम था तो दूसरा प्राणलेवा जहर जैसा।

दिल्ली का मुख्य मंत्री कौन ?

विनोद कुमार सिंह

दिल्ली चुनाव में आप को अंहकार ले डुबी... देश की राजधानी दिल्ली में इन दिनों बंसत की बहती ब्यार के संग सता के सिंघासन पर कौन,दिल्ली का नया मुख्य मंत्री कौन होगा,इस पर चर्चा,चिन्तन व चिंताए दिखने लगी है। जैसा कि आप को मालुम है कि दिल्ली विधान सभा चुनाव सम्पन्न व परिणाम भी हफ्ते बीत गए है। दिल्ली की जनता अपने नए मुख्य मंत्री का स्वागत करने का तत्पर है। लेकिन 48 सीट पर विजयश्री का सेहरा पहनें के बाद भाजपा का शीर्ष नेतृत्व दिल्ली की जनता को उनका मुख्य मंत्री देने में लाचार दिख रही है।8 फरवरी को दिल्ली विधान सभा के नतीजे आए।हालॉकि मुख्य मंत्री के नाम का ऐलान कभी भी हो जाएगा।नए सीएम के नाम की घोषणा में देरी की वजह प्रधानमंत्री मोदी का देश से बाहर होना था।ये बातें हम सब जानते हैं।सी ०एम० पद के दावेदारों के रूप में कई नाम पर कयास लगाये जा रहे है।रोहिणी से विधायक विजेंद्र गुप्ता दिल्ली के नए मुख्यहो सकते हैं।श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के स्टूडेंट रहे विजेंद्र गुप्ता धीर गंभीर इंसान हैं।दिल्ली के मसलों को खूब जानते हैं।तीन बार नगर निगम पार्षद और चौथी बार विधायक बने हैं।वही जनकपुरी से विधायक आशीष सूद के नाम की भी चर्चा है।डिसू के अध्यक्ष रहे हैं।

कुछ लोगों के अनुसार प्रवेश वर्मा सी एम बनाए जायेंग या उन्हें कैबिनेट में शामिल किए जा सकते हैं।दिल्ली की कैबिनेट में राजौरी के विधायक मनजिंदर सिंह सिरसा को भी लिया जा सकता है।जंगपुरा से विधायक मारवाह या गांधी नगर वाले लवली के कैबिनेट में जगह बनाने की उम्मीद कम है।इसके पीछे उनका मूलतः कांग्रेसी होना है।जीके से विधायिका शिखा राय को भी कैबिनेट में जगह मिल सकती है। वो भी पंजाबी हैं।कैलाश गहलोत को नई कैबिनेट में कोई खास विभाग मिलना निश्चित है।वो केजरीवाल सरकार में ट्रांसपोर्ट मंत्री थे।समझदार नेता हैं।जाट समाज से आते हैं।अगर मुस्तफाबाद से विधायक बने मोहन सिंह बिष्ट को विधान सभा का स्पीकर बनाया जा सकता है।वो भी लगातार विधायक बन रहे हैं।खैर ! वही राजनीति के पांडितयों के मध्य इन दोनों अरविन्द केजरीवाल व उनकी पार्टी आप की हार पर गहन अध्ययन व विवेचन किया जा रहा है। मै आप को बता दूँ कि भारतीय राजनीति के क्षितिज पर अन्ना हजारे के आन्दोलन का अबलम्बन ले कर जिस तरह आम आदमी के आशा व उम्मींद की नई किरण के साथ अरविन्द केजरीवाल ना केवल आया बल्कि अपने पार्टी का भी आम आदमी पार्टी रखा।जिस पर दिल्ली की भोली जनता ने दिल्ली सरकार के सता ना केवल तीन बारे के शीला दीक्षित को बाहर निकाल फेक कर अरविन्द केजरीवाल की सता पर आसीन किया।केजरीवाल के तीन बार मुख्यमंत्री बने रहें।भाग्य की विडम्बना देखिए जिस भष्ट्राचार , अपराध मुक्त विरोध में बुलन्द आवाज झण्डा चलते है।अंत स्वयं वे व उनकी आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेता जेल चले गए,बाद में जेल से जमानत पर है।जहाँ तक इस बार दिल्ली विधान सभा का प्रशन है।तो मै स्पष्ट कर दूँ कि कुछ महीने पुर्व से ही केजरीवाल व उनकी पार्टी के खिलाफ माहौल चल रहा था।चुनाव आते आते ह्यकट्टर ईमानदारह्ल केजरीवाल के कल तक जो कट्टर समर्थक थे और इसके जबरदस्त विरोधी हो गये थे।ठीक वैसे ही जैसे पाँच वर्ष पूर्व पहले से ही दबी जुबान में भी डंका केजरीवाल का ही बोल रहा था।दिल्ली की जनता जर्नादन का संदेश साफ साफ था कि केजरीवाल जी तुम्हारीह्य गुमराहगीरी अब नहीं चलेगी।तुम अपने झूठ के सहारे एक बार नही बल्कि दो दो बार सता पा सकते हैं लेकिन बार बार नहीं,दिल्ली की जनता अब समझ चुकी थी कि अरविन्द केजरीवाल अपने विरोधी भाजपा व कॉंग्रेस पर जो आरोपों के सहारे तस्वीर बना रहे हैं।उनसे उनकी व आप की हार की लहर इन तस्वीरों में झलक रही थी।अरविंद केजरीवाल व उनकी पार्टी की हार पर निश्चित तौर पर भाजपाई में खुशी है कि भारतीय राजनीति में केजरीवाल की मौकापरस्त व उनकी मूल्यविहीन राजनीति की हार है। उनका कहना है कि जिस अन्ना आंदोलन से लेकर अरविंद केजरीवाल ने अपना राजनीतिक सफर की शुरूआत की थी। सर्वविदित रहे कि अन्ना आंदोलन में सबसे पहले मंच पर भारत माता की बड़ी तस्वीर लगाई गई थी।लेकिन केजरीवाल और कंपनी ने जब देखा कि उससे इतना ज्यादा आकर्षण नहीं आ रहा है तो तुरंत उन्होंने अन्ना हजारे के पीछे महात्मा गांधी का बड़ा चित्र लगा दिया।परिणान स्वरूप अरविंद केजरीवाल रातों-रात त्याग तपस्या की मूर्ति व ईमानदारी का चोला ओढ़कर सबसे बड़े गाँधीवादी बन गए।कई बार उन्होंने राजघाट पर बापू की समाधि पर मौन व्रत और शांतिपूर्ण धरना भी दिया।लेकिन पहला मौका पाते ही उन्होंने अपने मुख्यमंत्री कार्यालय और फिर पंजाब में बनी सरकार के मुख्यमंत्री के कार्यालय से भी महात्मा धी की तस्वीर गायब कर दी।केजरीवाल की मौका परस्ती का यह बहुत बड़ा उदाहरण है। यहाँ पर मै स्पष्ट कर दूँ कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ(आरएसएस)हमेशा से गाँधी की विचारधारा का विरोधी रहा है लेकिन आरएसएस की पार्टी भाजपा के नेताओं ने भी कभी महात्मा गांधी की तस्वीर हटाने की हिम्मत नहीं की।जहाँ तक दिल्ली के मुसलमान के प्रशन है,तो दिल्ली के मुस्लीम मतदाताओं ने तीन चुनाव से आम आदमी पार्टी को वोट दे रहा है लेकिन शाहीनबाग में महिलाओं के धरने प्रदर्शन में मुख्यमंत्री केजरीवाल या उनका कोई व्यक्ति नहीं गया।दिल्ली के दंगों में उनकी भूमिका मुस्लिम विरोधी रही।सी ए ए(उअअ)व एन आर सी(ठफ्ठ)के मुद्दे पर वे खामोश रहे।भारत के इतिहास में जब पहली बार कश्मीर के रूप में किसी राज्य का पूर्ण राज्य का दर्जा छीनकर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया तो केजरीवाल ने सबसे पहले उसका स्वागत किया।

और राजनीति में सत्यता और ईमानदारी की बात करने वाले केजरीवाल अंततः शराब घोटाले में फंस गए।मैं नहीं जानता कि वाकई यह घोटाला हुआ या नहीं,इसमें केजरीवाल या उनके लोगों ने पैसा खाया या नहीं,लेकिन इतना तो सब लोग जानते हैं कि उन्होंने दिल्ली के घर-घर में शराब आसानी से उपलब्ध कराने की नीति बनाई थी।कम से कम यह नीति उस नैतिकता के बिल्कुल उलट है,जिसका स्वांग केजरीवाल भरा करते थे।उनके आलीशान सरकारी बंगले की नुमाइश भी उनके सादगी के अभिनय पर भारी पड़ी।जब इन सब बातों को एक साथ मिलकर देखते हैं तो सोचना पड़ता है कि अगरभाजपा की जगह केजरीवाल जीत जाते तो आखिर भारत के संवैधानिक धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को कोई फायदा होने वाला तो नहीं था।

*दबी जुबान से राजनीति पण्डितओं का मानना है कि अरविन्द केजरीवाल व आम आदमी पार्टी दिल्ली चुनाव में आप को अंहकार ले डुबी जहाँ तक मत के प्रतिशत का सवाल है तो दिल्ली कांग्रेस पार्टी ने अच्छा ही किया जो अपने दम पर चुनाव लड़ा 6.4 % से अधिक वोट पाए वहीकेजरीवाल की पार्टी करीब 2.4 प्रतिशत वोट से भाजपा से हार गई। उनका मानना है कि दिल्ली,पंजाब, गोवा,गुजरात,हरियाणा व उत्तराखंड में केजरीवाल व उनकी पार्टी ने कांग्रेस को ही नुकसान पहुंचाया।इतना नुकसान खाने के बाद कम से कम कांग्रेस की यह नैतिक या रणनीतिक जिम्मेदारी नहीं थी कि वह भाजपा की बी टीम केजरीवाल की पालकी अपने कंधे पर ढोएते हुए कॉंग्रेस की पराजय को अपने गले मे हार बनाकर घुमते रहें।

वैश्विकी: म्यूनिख में अमेरिका-यूरोप टकराव

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद राजनीतिक और कूटनीतिक झटके यूरोप में महसूस किए जा रहे हैं। जर्मनी के शहर म्यूनिख में चल रहे सुरक्षा सम्मेलन में अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के भाषण ने यूरोप के सत्ता प्रतिष्ठानों को हिला दिया है। कुछ महीने पहले तक अमेरिका यूरोप के नेता एक ही सुर में बोलते थे। यूक्रेन युद्ध सहित अनेक विश्व मामलों में दुनिया को बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के बजाय आग में घी डालने का काम किया। यूक्रेन, रूस और यूरोप को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी।

डोनाल्ड ट्रंप ने अपने वायदे के अनुसार कार्यकाल के आरंभ में ही युद्ध समाप्त कराने तथा शांति वार्ता आयोजित करने के संबंध में ठोस पहल की। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से लंबी बातचीत की। ट्रंप का शांति फामूर्ला है यूक्रेन में तुरंत युद्ध विराम हो तथा बातचीत शुरू हो। रूस को भरोसा दिलाया जाए कि यूक्रेन को कभी पश्चिमी देश सैन्य संगठन नाटो एवं सदस्य नहीं बनाया जाएगा। वास्तव में कुछ वर्ष पहले यदि यह घोषणा की गई होती तो युद्ध शुरू ही नहीं होता। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेग सेथ ने नाटो की बैठक में अमेरिका के इसी रवैये को दोहराया जो यूरोपीय सदस्य देशों को नागवार गुजरा। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की खुलकर ट्रंप प्रशासन का विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं। हालांकि पर्दे के पीछे वह अमेरिका के खिलाफ यूरोपीय देशों की लामबंदी का प्रयास कर रहे हैं।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेड़ी वेंस का संबोधन यूरोप की सरकारों और नेताओं की नीतियों पर खुला प्रहार था। उन्होंने इन देशों में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को लेकर अपनाई जा रही पाखंडपूर्ण नीतियों की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि यूरोप को रूस और चीन सहित बाहरी शक्तियों के बजाय घरेलू ताकतों से असल खतरा है। जेडी वेंस ने आरोप लगाया कि यूरोपीय देशों में अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने की कोशिश की जा रही है जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्तोरियस ने आपत्ति जाहिर करते हुए कहा कि यह स्वीकार नहीं किया जा सकता। वास्तव में आव्रजन, इस्लामी कट्टरवाद, गर्भपात, पर्यावरण और वैक्सीन आदि मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन तथा यूरोपीय नेताओं में मतभेद है। पिछले चुनाव में अमेरिकी मतदाताओं ने डेमोक्रेटिक पार्टी के खिलाफ ट्रंप को भारी जनादेश दिया था। ट्रंप प्रशासन अब इन्हीं नीतियों को अन्य देशों में फैलाना चाहता है। उपराष्ट्रपति वेंस का संबोधन ऐसे समय सामने आया है जब जर्मनी में आम चुनाव होने वाले हैं। चांसलर शोल्ज को कड़ी चुनौती का सामना है। यूरोप की अन्य देशों की तरह जर्मनी में भी आव्रजन और इस्लामी कट्टरवाद विरोधी राजनीतिक दलों की ताकत बढ़ रही है। जर्मनी के दक्षिणपंथी राष्ट्रवादी दल एडीएफ की ताकत में इजाफा हो रहा है। मस्क एड़ीएफ का समर्थन कर रहे हैं। जर्मनी और यूरोप के अन्य देशों में यह धारणा बन रही है कि ट्रंप प्रशासन चुनाव में दखलअंदाजी कर रहा है।

यह विडंबना है कि कुछ दिन पहले जो यूरोपीय देश अन्य देशों को अभिव्यक्ति की आजादी की नसीहत दे रहे थे, वे आज खुद कठघरे में खड़े हैं। वास्तव में पश्चिम का वर्चस्ववादी वैश्विक तंत्र सूचना युद्ध पर टिका था। सूचना के सभी माध्यमों पर इन देशों का एकाधिकार था। किसी भी मुद्दे पर घरेलू और विदेशी मोर्चे पर जनमत का निर्माण करने के लिए इस सूचना तंत्र का इस्तेमाल किया जाता था। ट्वीटर, फेसबुक और व्हाट्सएप आदि के प्रचलन के बाद लोगों को सूचना के वैकल्पिक माध्यम हासिल हुए। एलन मस्क ने ट्वीटर का स्वामित्व हासिल करने के बाद इसे आंतरिक सेंसरशिप से मुक्त किया। वास्तव में भारत पश्चिमी देशों के सूचना एकाधिकार के दुष्परिणाम का भुक्तभोगी रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर कहते रहे हैं कि भारत और उसकी सरकार की छवि खराब करने के लिए सुनियोजित अभियान चलाया जाता है। जयशंकर ने कुछ वर्ष पूर्व इसी म्यूनिख सम्मेलन में कहा था कि यूरोपीय देश यह मानते हैं कि इस महाद्वीप की समस्या विश्वव्यापी है जबकि अन्य देशों की समस्याओं से उनका कोई लेना-देना नहीं है। यह स्थिति ज्यादा दिन तक नहीं चल सकती। अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने प्रकारांतर से जयशंकर के तर्क को ही आगे बढ़ाया है।

प्रयागराज जाने के लिए जुटी भीड़: नई दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ में 18 की मौत, 13 घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीती रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में 3 बच्चों समेत 18 लोगों की मौत हो गई। जबकि 13 लोग घायल हैं। हादसे के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं एक तो यह कि स्टेशन पर प्रयागराज जाने वाली स्पेशल ट्रेन आने की सूचना पर यात्रियों ने दौड़ लगा दी जिसके कारण भागमभाग में लोग जमीन पर गिर पड़े और लोग कुचलते हुए निकल गए। दूसरा कारण ये भी है कि प्रयागराज जाने वाली ट्रेने देरी से चल रहीं हैं जिसकी वजह से भीड़ एकत्रित हो गई और इसी बीच दो ट्रेने रद्द कर दी गई जिसके कारण और अधिक लोग एक ही जगह पर एकत्रित हो गए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक ही समय पर प्लेटफॉर्म पर कई ट्रेनों के यात्री इकट्ठा थे, साथ ही उसी दौरान एक स्पेशल ट्रेन के आने की घोषणा भी हो गई। जिसके चलते मची भागमभाग और अफरातफरी के चलते लोग गिरते चले गए और भीड़ उन पर चढ़ती चली गई। उधर घटना के बाद रेल मंत्री ने उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। यात्रियों के लिए चार विशेष ट्रेनें चलाई गई हैं। साथ ही कुछ और विशेष ट्रेनों की व्यवस्था भी की जा रही है। कांग्रेस नेता श्रीनिवास बीवी ने घटना के बाद का एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, अगर आप कमजोर दिल वाले हैं तो ये खौफनाक तस्वीरें मत देखें। घटना के चश्मदीदों ने बताया कि प्लेटफॉर्म नंबर 14 पर रात करीब साढ़े नौ बजे मची इस भगदड़ में कई लोग सीढ़ियों पर गिरकर दब गए और ऊपर से नीचे भी गिर गए। लोगों ने बताया कि सबसे ज्यादा नुकसान सीढ़ी पर मौजूद लोगों को हुआ है। इस बारे में जानकारी देते हुए रेलवे पुलिस के डीसीपी केपीएस मल्होत्रा ने बताया कि दो ट्रेनें देरी से चल रही थीं और यात्रियों की अत्यधिक संख्या के कारण कुछ ऐसे हालात बने कि प्लेटफॉर्म पर जगह कम और भीड़ ज्यादा हो गई थी। उन्होंने बताया कि 15-20 मिनट के अंतराल में ज्यादा भीड़ इकट्ठा होने से हालात बेकाबू हो गए।

आगे उन्होंने कहा कि किसी ट्रेन का प्लेटफॉर्म नहीं बदला गया था, बल्कि उस समय एक स्पेशल ट्रेन की घोषणा हुई, तो लोगों को लगा कि उस स्पेशल ट्रेन को पकड़ लें। तो उस स्पेशल ट्रेन को पकड़ने के लिए लोग फुटओवर ब्रिज की तरफ गए। सीढ़ियों से लोग ऊपर से नीचे आ रहे थे, साथ ही नीचे से ऊपर की तरफ भी जा रहे थे और इसी दौरान आपाधापी में लोग गिरने लगे और भगदड़ मच गई।ट्रेन का देरी से आना पहले से तय नहीं था, ट्रेन के लेट होने से चीजें बिगड़ती चली गईं। वरना रोजाना भीड़ आ रही है, जिसे रेलवे, आरपीएफ और जीआरपी पिछले एक महीने से संभाल रहे हैं, लेकिन आज जगह और समय के बीच ट्रेन के मिसमैच होने से यह घटना हुई।प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रयागराज एक्सप्रेस जब प्लेटफॉर्म नंबर 14 पर खड़ी थी, तब प्लेटफॉर्म पर काफी संख्या में लोग मौजूद थे। इसी दौरान स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस और भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन भी लेट हो गईं और इन ट्रेनों के यात्री भी प्लेटफॉर्म नंबर 12,13 और 14 पर मौजूद थे।

हर घंटे 1500 टिकट बेचे जा रहे थे

इसी बीच रेलवे द्वारा प्रति घंटे 1500 जनरल टिकट भी बेचे जा रहे थे, ऐसे में स्टेशन पर भीड़ बढ़ती चली गई और फिर विशेष ट्रेन की बात सुनकर भीड़ बेकाबू हो गई और प्लेटफार्म नंबर 14 और प्लेटफार्म नंबर 16 के एस्केलेटर के पास भगदड़ मच गई। इस दौरान जो नीचे गिर गया वो फिर उठ नहीं पाया, क्योंकि लोग उसके ऊपर से गुजरते जा रहे थे।घटना के बाद भगदड़ से प्रभावित हुए लोगों का सामान सीढ़ी पर पड़ा दिखाई दिया।घटना के बाद सुरक्षित बचे लोग बेहोश लोगों की जान बचाने की कोशिश करते नजर आए। इस दौरान वे उन्हें सीपीआर देते दिखे साथ ही पानी छिटककर और हवा करते हुए भी उनको संभालते दिखे।

आर्य समाज के नशा मुक्ति अभियान में आहुतियां डालकर नशा शराब छोड़ने का लिया संकल्प

नई दिल्ली। आर्य समाज के आहवान पर जहांगीरपुरी दिल्ली में महर्षि दयानंद की 201वीं जन्म शताब्दी पर 'विशाल महायज्ञ' का आयोजन हुआ। जिसमें दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री विनय आर्य ने हजारों नर नारियों को गुटखा शराब नशों को छोड़ने का दिलाया संकल्प, जे.जे. कॉलोनीयों की महिलाओं, बच्चों ने यज्ञ में आहुतियां डालकर जीवन में बुराइयां दूर करने का व्रत लिया। विशाल यज्ञ कार्यक्रम में सभा प्रधान धर्मपाल आर्य, आर्य केंद्रीय सभा दिल्ली के प्रमुख सुरेंद्र रैली, महासचिव सतीश चड्ढा, प्रो. प्रतिभा, जोगिंदर खट्टर, सुरेंद्र वैदिक ने सामाजिक उन्नति के ओजस्वी विचार रखें। यहां विधायक राजकुमार भाटिया ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्रयाग महाकुंभ तीर्थ यात्रियों के अकस्मात निधन पर दुख व्यक्त करते हुए महायज्ञ में भाग लिया तथा आत्मिक शांति प्रार्थना यज्ञ में 2 मिनट मौन रहकर श्रद्धांजलि दी। जे.जे. कॉलोनी की आर्य महिलाओं ने तीन माह में यज्ञ अभियान चलाकर हजारों युवाओं को चारित्रिक उन्नति व समाज निर्माण कार्यों से जोड़ा। जहांगीरपुरी आर्य समाज प्रधान अरविंद आर्य, सचिव राम भरोसे, विकास आर्य, बृहस्पति आर्य, महामंत्री आर्य वीर दल, दिल्ली आचार्य शिवा शास्त्री, आचार्य सत्यप्रिय, राजू आर्य, चंद्र विजय, श्रीमती सुमन, सैकड़ो आर्य वीर दल कार्यकर्ताओं के योगदान से महायज्ञ सफल रहा।

जेपी क्रान्तिकारी पवन श्रीवास्तव को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। पवन श्रीवास्तव एक संपूर्ण क्रान्ति सेनानी के साथ, महान कवि साहित्यकार, और आध्यात्मिक, सामाजिक विचारक थे उनके बताए हुए मार्ग पर चलकर हम भारत और सनातन संस्कृति को नई दिशा दे सकते हैं। ये बातें इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रख्यात ज्योतिषी, विचारक आर्य भूषण शुक्ल ने शाश्वत हिंदू प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित 'मेरे पवन जी' श्रद्धांजलि सभा में डाबरी वैशाली में कहीं। भोजपुरी समाज और विश्व भोजपुरी सम्मेलन के अध्यक्ष अजित दुबे ने पवन जी की भोजपुरी कविता 卐जिंदगी रेशम ह पहनीं टांगी मत卐 को सुनाते हुए बताया कि पवन जी एक अद्भुत व्यक्तित्व हैं उन्होंने लोक चेतना, सामाजिक समरसता, सामाजिक स्वावलंबन, मंदिरों को शक्ति शाली बनाने के लिए निरंतर कार्य किए। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी राजीव कुमार ने पवन जी के विचारों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। मठ मंदिर के प्रभारी अशुमन डोगरा जी ने कहा कि हमारा संगठन पवन जी के विचारों को पालन करते हुए 5 लाख मंदिरों को शक्ति केंद्र बनाएंगे। संजय शर्मा जी ने कहा कि पवन जी के संकल्पों को अवश्य पूरा करेंगे। योगी अनूप नाथ ने कहा कि पवन जी 29 महीने जेल में रहे, और समाज को मजबूत किया। कवि विनय विनम्र ने अपने संस्मरण के साथ काव्य पाठ भी किया। गजल गायक डॉ गुंजन झा, की टीम द्वारा भजन गाया गया। कार्यक्रम में शाश्वत देवालय के संयोजक सुनील गुप्ता जी, के .के. गुप्ता जी, सरोज कुमार महापात्र-जी, शिव दत्त ठाकुर, मंटू तिवारी, वीरेंद्र सिंह, सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कवि के डी पाठक ने किया।

एलएनजेपी अस्पताल जाकर घायलों से मिले सचदेवा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली प्रदेश इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल में नई दिल्ली रेलवे जंक्शन पर हुए हादसे में घायल लोगों से मिले और उनसे बातचीत की। श्री सचदेवा शनिवार को देर रात नई दिल्ली रेलवे जंक्शन भी पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय स्वास्थ मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने डाक्टरों और अधिकारियों से बात की है और उन्होंने घायलों का उचित इलाज करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने बताया की जहां दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव ने कुछ अलग- अलग अस्पतालों में चिकित्सा दल की ड्यूटी लगा दी है, वहीं रेलवे ने प्रयागराज के लिए तीन विशेष ट्रेन शुरू की है।

उपराज्यपाल ने पुलिस आयुक्त को घटनास्थल पर रहने और राहत उपायों पर नियंत्रण रखने का निर्देश दिया

नई दिल्ली। नई दिल्ली, 16 फरवरी (वेब वार्ता)। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के बाद मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को घटनास्थल पर रहने और राहत उपायों पर नियंत्रण रखने का निर्देश दिया है। श्री सक्सेना ने 'एक्स' पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा 'नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई है।' मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त से बात की है और उनसे स्थिति का समाधान करने को कहा है। मुख्य सचिव को राहत कर्मी तैनात करने को कहा गया है।' उन्होंने कहा 'मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को घटनास्थल पर रहने और राहत उपायों पर नियंत्रण रखने का निर्देश दिया है। मैं लगातार ऑपरेशन पर नजर रख रहा हूं।'

दिल्ली का नया सीएम कौन, आज हो जाएगा तय, 18 को शपथ ग्रहण संभव

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, (ईएमएस)। दिल्ली में नए मुख्यमंत्री का नाम सोमवार 17 फरवरी को तय किया जा सकता है। नए सीएम का नाम तय करने भाजपा ने पार्टी विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है, जो दोपहर को पार्टी कार्यालय में आयोजित होगी। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने इसकी पुष्टि की है।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कुल 70 सीटों में से 48 सीटें जीतकर सालों बाद दिल्ली की सत्ता में जोरदार वापसी की है। पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि मुख्यमंत्री निर्वाचित विधायकों में से ही होगा। ऐसे में भाजपा विधायकदल की बैठक कल सोमवार को बुलाई गई है, जिससे उम्मीद की जा रही है कि दिल्ली का अगला सीएम कौन होगा, इससे पर्दा उठने जा रहा है। सूत्रों की मानें तो नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 18 फरवरी को हो सकता है।

शपथ ग्रहण होगा भव्य आयोजन

भाजपा ने इस चुनाव में 71फीसदी सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया है। ऐसे में शपथ ग्रहण समारोह को बड़े स्तर पर आयोजित करने की योजना है। इस भव्य कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, भाजपा के शीर्ष नेता और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हो सकते हैं। साथ ही, भाजपा और एनडीए शासित 21 राज्यों के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री भी इस अवसर पर मौजूद रह सकते हैं।

भाजपा का 21 राज्यों में दबदबा

दिल्ली विधानसभा चुनाव में जीत के बाद भाजपा और उसके सहयोगी दलों की 21 राज्यों में सरकार हो गई है। इसके साथ ही, पार्टी ने 2018 की स्थिति फिर से दोहरा दी है, जब देश में भाजपा या एनडीए की सरकारें 21 राज्यों तक फैली थीं।

आप की करारी हार, कांग्रेस रही शून्य

दिल्ली में लगातार दो बार 60 से ज्यादा सीटें जीतने वाली आम आदमी पार्टी (आप) इस बार मात्र 22 सीटों पर सिमट गई। वहीं, कांग्रेस को लगातार तीसरी बार एक भी सीट नहीं मिल सकी, जिससे उसका खाता शून्य पर बना हुआ है।

बहरहाल दिल्ली के नए मुख्यमंत्री के नाम पर सभी की निगाहें टिकी हैं। भाजपा की बैठक के बाद यह साफ हो पाएगा कि दिल्ली की सत्ता की कमान किसे सौंपी जाएगी।

नई दिल्ली स्टेशन हादसा रेलवे की बड़ी नाकामी, कांग्रेस ने मांगा रेल मंत्री से इस्तीफा

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने शनिवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे को सीधे तौर पर रेलवे की नाकामी करार देते हुए रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से इस्तीफा मांगा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि इस दुखद घटना के पीड़ितों के आंकड़ों को रेलवे प्रशासन छिपा रहा है। कांग्रेस मुख्यालय पर पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने रविवार को पत्रकार वार्ता के दौरान आरोप लगाया कि सरकार हादसे के समय राहत और बचाव कार्यों की बजाय लीपा-पोती में लगी थी। उन्होंने कहा कि हादसे की दुखद घटना को स्वीकार करने की बजाय आंकड़ों को छुपाया जा रहा था। नई दिल्ली रेल हादसा सीधे तौर पर प्रशासनिक व्यवस्था की नाकामी है। श्रीनेत ने कहा कि आश्चर्य की बात है कि हादसे से कुछ देर पहले ही रेलवे की सुरक्षा समीक्षा बैठक हुई थी। क्या यह केवल औपचारिकता भर थी। दूसरी और हादसे के पहले हर घंटे 1500 से अधिक प्लेटफार्म टिकट बिक रहे थे। क्या प्रशासन को अंदाजा नहीं था कि इतनी भीड़ आने वाली है। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि रेलवे प्रशासन की नाकामी के कारण आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक दम घुटने से 18 लोगों की मौत हो गई, जिसमें 9 महिलाएं, 4 पुरुष और 5 बच्चे शामिल हैं। हादसे के चश्मदीदों की बातें सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुलियों ने शवों को लाद-लादकर बाहर निकाला। वहां पुलिस प्रशासन और एंबुलेंस की व्यवस्था तक नहीं थी।

दिल्ली के बाजारों को साफ-सुथरा बनाने की तैयारी, एमसीडी ने रात्रिकालीन सफाई पहल शुरू की

-गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के बाजारों में साफ-सफाई और स्वच्छता बनाए रखने के लिए दिल्ली नगर निगम के आयुक्त अश्वनी कुमार ने सभी जोनल डिप्टी कमिश्नरों को चांदनी चौक, कृष्णा नगर लाल क्वार्टर, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी मार्केट, श्रीनिवासपुरी मार्केट और अन्य प्रमुख बाजारों सहित 312 चिन्हित बाजारों में रोजाना नाइट स्वीपिंग और सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शहर के बाजार गंदगी और कचरे से मुक्त हों, जिससे नागरिकों और आगंतुकों को साफ-सफाई और सुखद अनुभव मिले।

इस पहल के तहत, उपायुक्तों को निर्देश दिया गया है कि वे प्रत्येक जोन में रात्रिकालीन सफाई अभियान की देखरेख के लिए एक वरिष्ठ अधिकारी, इंजीनियरिंग विभाग से कम से कम एक अधिशासी अभियंता (ईई) या उससे ऊपर का अधिकारी तथा प्रशासन पक्ष से एक प्रशासनिक अधिकारी (एओ) या उससे ऊपर का अधिकारी नियुक्त करें। ये अधिकारी रात्रिकालीन सफाई कार्य का निरीक्षण करने तथा यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे कि बाजार साफ-सुथरे हों।

निगम आयुक्त अश्वनी कुमार ने उपायुक्तों को निर्देश दिया है कि वे मार्केट असोसिएशन को भी साथ लेकर सफाई अभियान में उन्हें शामिल करें। इसके अतिरिक्त, कूड़ा-कचरा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा बाजारों में कूड़ा-कचरा फैलाने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा। इस सहयोगात्मक दृष्टिकोण का उद्देश्य हितधारकों के बीच जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना तथा यह सुनिश्चित करना है कि शहर के बाजार साफ-सुथरे तथा स्वच्छ रहें। दिल्ली नगर निगम अपने नागरिकों को स्वच्छ तथा स्वस्थ वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल उसी दिशा में एक कदम है तथा निगम को विश्वास है कि बाजार संघों तथा जनता के सहयोग से वह दिल्ली के बाजारों को अधिक स्वच्छ तथा स्वच्छ बनाने के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है।

सरकार को लोगों की कोई फ़िक्र नहीं : आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ को दुखद करार देते हुए कहा कि लोगों की सुरक्षा की ना केंद्र सरकार को कोई फ़िक्र है और ना ही उत्तर प्रदेश सरकार को है। आप की वरिष्ठ नेता और दिल्ली की कार्यवाहक मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा 'महाकुंभ के लिए जा रहे श्रद्धालुओं के साथ इस तरह की घटना बेहद दुखद है। लोगों की सुरक्षा की ना केंद्र सरकार को कोई फ़िक्र है और ना ही आगे उत्तर प्रदेश सरकार को। ना प्रयागराज में कोई व्यवस्थाएं हैं और ना ही देश के अलग-अलग राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यातायात के कोई ठोस इंतज़ाम हैं।' उन्होंने कहा 'रेलवे विभाग से मेरी विनती है कि लोगों को जल्द से जल्द मदद पहुँचाएँ।' उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर आज देर रात हुई भगदड़ में कई लोग घायल हो गए।

दिल्ली में यमुना की सफाई शुरू, 3 साल में नदी को स्वच्छ बनाने का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में यमुना नदी की सफाई अभियान तेज कर दिया गया है. उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वादे के अनुरूप सफाई कार्य शुरू हो चुका है. यमुना में ट्रैश स्किमर, वॉटर वीड हार्वेस्टर और ड्रेज यूटिलिटी क्राफ्ट ने सफाई अभियान शुरू कर दिया है.

चार चरण में होगा काम- दिल्ली के उपराज्यपाल कार्यालय का कहना है कि ड्रेज यूटिलिटी क्राफ्ट सिग्नेचर ब्रिज से वासुदेव घाट की ओर बढ़ रहा है, जबकि वॉटर वीड हार्वेस्टर आईटीओ और सिग्नेचर ब्रिज के पास काम कर रहे हैं. यमुना नदी के सफाई के लिए चार स्तरीय रणनीति बनाई गई है, जिसमें यमुना से कचरा, गाद हटाना, नजफगढ़ और अन्य नालों की सफाई, मौजूदा एसटीपी की क्षमता की निगरानी करना, 400 एमजीडी सीवेज ट्रीटमेंट के लिए नए एसटीपी या डीएसटीपी निर्माण करना है. तीन वर्षों में यमुना के सफाई का लक्ष्य रखा गया है. यानी की वर्ष 2028 तक यमुना की सफाई हो जाएगी.

उपराज्यपाल कार्यालय ने कहा, 'यमुना नदी की सफाई का काम पहले ही शुरू हो चुका है. कचरा उठाने वाले स्किमर, खरपतवार निकालने वाले यंत्र और ड्रेज यूटिलिटी क्राफ्ट ने आज नदी में सफाई अभियान शुरू कर दिया है. दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कल मुख्य सचिव और एसीएस (आईएंडएफसी) से मुलाकात की और उन्हें तुरंत काम शुरू करने को कहा.

दिल्ली जलबोर्ड, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकण समेत कई एजेंसियां मिलकर यमुना की सफाई का कार्य करेंगी. दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को औद्योगिक अपशिष्ट पर निगरानी के निर्देश मिले हैं, जनवरी 2023 में शुरू हुआ मिशन आप सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट से रुकवा दिया गया था, जिससे यमुना का प्रदूषण बढ़ गया है. अब पुनः अभियान तेज कर दिया गया है. शहर में औद्योगिक इकाइयों द्वारा नालियों में अशोधित अपशिष्ट के निर्वहन पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है.

निगमायुक्त का आभार व्यक्त किया

नई दिल्ली। कोर कमेटी के अथक प्रयास से दिल्ली नगर निगम कोर कमेटी के अध्यक्ष राज कुमार धींगान ने दिल्ली नगर निगम आयुक्त अश्विनी कुमार का धन्यवाद किया व आगामी पॉलिसी को लेकर अतिरिक्त आयुक्त जितेन्द्र यादव से बैठक की बैठक में 2006 तक व करूणा मूलक आधार पर 20020 तक नियमितीकरण की मांग की कोर कमेटी के महामंत्री ब्रह्म ढीकिया ने ऐलान किया यादी नीतिगत तरीके से कर्मचारियों का नियमितीकरण नहीं किया गया तो दिल्ली नगर निगम समस्त कोर कमेटी आन्दोलन करने पर बाध्य होगी जिसकी समस्त जिम्मेदारी निगम प्रशासन की होगी। बैठक में उपस्थित ब्रह्म ढीकिया, नरेश पिवाल, सतीश टांक, राम कुमार बिडलान, सत्यवान सारसर खाना, पिंकी सूद, पवन टांक, मनोज प्रधान, सुशील सूद, राजेश बेनीवाल आदि मौजूद रहे।

मोदी जी की गारंटी पर भरोसा जता लोगो ने दी भाजपा को बंपर जीत: राम नारायण दुबे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 16 फरवरी (वेब वार्ता)। राजधानी दिल्ली की जनता नें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर भरोसा जताते हुए भाजपा को विधानसभा चुनाव में बंपर जीत दी। यह कहना है पूर्वी दिल्ली नगर निगम के पूर्व मेयर वरिष्ठ भाजपा नेता रामनारायण दुबे का। रामनारायण दुबे कहते है भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ताओं ने मोदी जी की गारंटी को जन-जन तक पहुंचाया। खुद केन्द्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा और पूरी टीम जी जान से जुटी थी जिसका नतीजा यह रहा कि ना केवल पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र में अपितु दिल्ली भर में भाजपा की लहर चल गई और आम आदमी पार्टी का सफाया हो गया। श्री दुबे कहते है झूठ का अंत हुआ, भ्रष्टाचार का अंत हुआ तथा अहंकार का सफाया हुआ। श्री दुबे कहते हैं चुनाव में बीजेपी ने 27 साल बाद शानदार जीत हासिल की है तो वहीं आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली की 70 सीटों में से भाजपा ने 48 सीटों पर जीत दर्ज की भाजपा की जीत, झूठ के ऊपर सच की जीत है, आम आदमी पार्टी के कुशासन के ऊपर भाजपा के सुशासन की जीत है। श्री दुबे कहते हैं भाजपा की प्रचंड जीत इस बात का सबूत है कि दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी के भ्रष्टाचार से परेशान हो गई थी, दिल्ली की जनता अरविंद केजरीवाल के झूठे वादों से परेशान हो गई थी, दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी के नेताओं के लगातार घोटालों से परेशान हो गई थी और दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी से छुटकारा चाहती थी इसी के तहत दिल्ली की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को भारी बहुमत से जीत दिलाई ताकि जिस तरीके से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी विकास के कार्य कर रही है ठीक उसी तरीके से भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में भी दिल्ली की जनता के लिए बेहतर से बेहतर कार्य करें। श्री दुबे ने आगे कहा कि आम आदमी पार्टी के बड़े चेहरे अरविंद केजरीवाल की हार, मनीष सिसोदिया की हार, इस बात का सबूत है कि दिल्ली की जनता से 10 साल पहले जो झूठ अरविंद केजरीवाल ने बोला था कि वह आम आदमी है और वह आम आदमी के लिए कार्य करेंगे उसका सच दिल्ली की जनता को पता लग गया है, दिल्ली की जनता को पता लग गया है कि 10 सालों में दिल्ली की जनता से जनहित नीति के नाम पर झूठ बोलकर अरविंद केजरीवाल सबसे बड़े घोटालेबाज और उनकी आम आदमी पार्टी सबसे बड़ी भ्रष्टाचारी पार्टी के रूप में सामने आई, दिल्ली की जनता को इस बात का एहसास हो गया है कि 10 वर्ष में अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की जनता के हित के लिए कुछ नहीं किया बस घोटाले करके अपनी और अपने मंत्रियों की जेबों को भरा इसलिए दिल्ली की जनता ने न सिर्फ आम आदमी पार्टी को दिल्ली की सत्ता से हटाया बल्कि अरविंद केजरीवाल को, मनीष सिसोदिया को भी चुनाव हराया।

शिक्षक भर्ती घोटाला : सुवेंदु के भाई दिब्येंदु और भारती घोष, तक पहुंची सीबीआई की जांच

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित शिक्षक भर्ती घोटाले में सीबीआई की जांच बीजेपी के दो बड़े नेताओं तक पहुंच गई है। राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी पहले ही जेल में हैं। सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इस घोटाले में अब पूर्व सांसद दिब्येंदु अधिकारी और पूर्व आईपीएस अधिकारी भारती घोष पर शक जताया जा रहा है। दिब्येंदु, बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के भाई हैं और घोष अब बीजेपी में हैं। सीबीआई ने हाल ही में एक विस्तृत रिपोर्ट और सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है, जिसमें इन दोनों के अलावा तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद ममता बाला ठाकुर और अन्य प्रभावशाली लोगों के नाम भी शामिल हैं।सीबीआई के अनुसार, दिव्येंदु अधिकारी और ममता बाला ठाकुर ने 20-20 उम्मीदवारों की सिफारिश की थी, जबकि भारती घोष ने चार उम्मीदवारों को शिक्षक पद के लिए सिफारिश की। जांच एजेंसी को इस घोटाले से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज शिक्षा विभाग से मिले थे, जिनमें इन नेताओं द्वारा भेजी गई सिफारिशी चिट्ठियां शामिल थीं। इस मामले में जिन नेताओं के नाम सामने आए हैं, उन्होंने आरोपों से इनकार किया है। भारती घोष ने कहा कि उन्होंने सिर्फ एक उम्मीदवार के परीक्षा केंद्र बदलने की सिफारिश की थी, लेकिन घोटाले से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है अगर उनका नाम इस मामले से जोड़ा जाता है। ममता बाला ठाकुर ने इन आरोपों को राजनीतिक साजिश बताया और कहा कि वह निर्दोष हैं। दिब्येंदु अधिकारी ने बयान दिया कि वह सिर्फ अदालत या जांच एजेंसी के सामने ही अपना पक्ष रखेंगे।

एक्ट्रेस शीबा बोलीं-ममता साध्वी बन गईं तो इसमें गलत क्या है वह एंजॉय कर रही है

मुंबई,। बॉलीवुड अभिनेत्री शीबा आकाशदीप 90 के दशक की मशहूर एक्ट्रेस रही हैं। शीबा ने अपने करियर में कई फिल्मों में लीड रोल के अलावा सपोर्टिंग एक्ट्रेस के तौर पर भी काम किया है। शीबा आज एक्टिंग छोड़ चुकी हैं, लेकिन वह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं। शीबा ने एक इंटरव्यू में पर्सनल लाइफ को लेकर खुलकर बात की। इस दौरान शीबा से ममता कुलकर्णी के साध्वी बनने को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि उन्होंने जब ममता के बारे में सुना तो वह हैरान थी। शीबा ने कहा कि ममता कहीं-कहीं पर लगती है कि बहुत स्वीट सी है डम सी है। मतलब उसको शायद समझ नहीं आ रहा कि वह क्या बोल रही है। या फिर ये उसकी वास्तविकता होगी। मुझे उसके बारे में ज्यादा नहीं पता, लेकिन वह वास्तव में बहुत एंजॉय कर रही हैं। ममता से मिलने के सवाल पर शीबा ने कहा कि हां हम मिल चुके हैं। 90 के दशक की लड़कियां पार्टीज में कहीं न कहीं मिली ही हैं। मैंने जब से सुना है कि ममता साध्वी बन है तो तब से याद करने की कोशिश कर रही हूं कि ममता से कहां मिली लेकिन याद नहीं आ रहा कहां मिली थी लेकिन सौ फीसदी मिली हूं। लेकिन ममता आज भी कितनी सुंदर है, लेकिन कुछ गलत तो हो रहा है। अपने समय में वह बहुत खूबसूरत थीं। मेरे से कई लोगों ने पूछा कि वह साध्वी बन गई हैं आप क्या कहना चाहेंगी। मैंने कहा अगर वह एंजॉय कर रही हैं तो अच्छी बात है।

सचखंड गुरुद्वारा के पास गोलीबारी की जांच अब महाराष्ट्र एटीएस करेगी

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में गोलीबारी की घटना की जांच अब एटीएस को सौंप दी गई है। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और एक गंभीर रूप से घायल हुआ था। यह घटना 10 फरवरी को नांदेड़ के शाहिदपुरा में सचखंड गुरुद्वारा के पास हुई थी। अधिकारी ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने गुरमीत सिंह सेवादार और उसके रिश्तेदार रविंद्र सिंह राठौर पर जब गोली चलाई थी जब दोनों स्कूटर पर जा रहे थे। सेवादार नासिक सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है और पैरोल पर था। उन्होंने बताया कि राठौर की मौत हो गई, जबकि सेवादार गंभीर रूप से घायल हो गया था उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अब इस मामले की जांच महाराष्ट्र एटीएस को सौंप दी गई है। मामले में दो लोगों ने हमलावर की मदद की थी, जिन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। अदालत ने उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

पुलिस ने बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे 15 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया

इरोड। तमिलनाडु के इरोड जिले में दो महिलाओं समेत 15 बांग्लादेशी नागरिकों को बिना दस्तावेजों के रहने के आरोप में हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक पणिक्कम्पालयम, मेट्टुकादाई और पेरुंदुरई में छापेमारी की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि विदेशी नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे हैं और निजी फर्मों में काम कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक छापेमारी अभियान चलाया गया इस दौरान पता चला कि 15 लोग निजी कंपनियों में और राजमिस्त्री के रूप में काम करते थे। उन्होंने बताया कि जब उनसे पासपोर्ट और वीजा समेत वैध यात्रा दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। सभी को हिरासत में लिया गया और पूछताछ की जा रही है, हालांकि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने बताया कि औद्योगिक केंद्र पेरुंदुरई में बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशी काम करते हैं।

14 मार्च को चांद हो जाएगा लाल, अमेरिका में दिखेगा नजारा, भारत पर असर नहीं

नई दिल्ली। 13 मार्च 2025 की देर रात और 14 मार्च की सुबह अमेरिका में अनोखा नजारा देखने को मिलेगा। इस दिन मून ब्लड रेड तो होगा साथ ही पूर्ण चंद्रग्रहण भी होगा। अमेरिका में यह नजारा देखने को मिलेगा। इस दिन चंद्रमा, सूर्य और धरती सीधे एक ही रेखा में होंगे। चंद्रमा से लाल लंबी वेवलेंग्थ का प्रकाश धरती पर पड़ेगा।

अमेरिका से निर्वासित प्रवासियों का दर्द, बोले-हथकड़ी-बेड़ी लगाकर भेजा

अमृतसर (एजेंसी)। अमेरिका से निर्वासित भारतीयों का दूसरा जत्था शनिवार रात अमृतसर एयरपोर्ट पहुंचा। इनमें से कुछ ने अपना दर्द बयां किया और कहा कि उन्हें हथकड़ियां पहनाकर यहां लाया गया है। यही नहीं पैरों में जंजीरें भी डाली गई थीं।

बता दें कि पहली बार जब 104 भारतीयों को डिपोर्ट किया गया था तो तस्वीरें सामने आई थीं, सोशल मीडिया पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। लोगों का कहना था कि डिपोर्टेशन तक तो ठीक है लेकिन उनके साथ मानवीय व्यवहार करना ठीक नहीं। उन्होंने अवैध रूप से इमिग्रेशन के अलावा कोई दूसरा अपराध नहीं किया है।

इन भारतीय प्रवासियों से कुछ ने अपना दर्द मीडिया के सामने रखा और कहा कि हमारे पैरों में जंजीरें थीं और हाथों में हथकड़ी। ये लोग 116 अवैध भारतीय प्रवासियों में शामिल हैं जिन्हें अमेरिकी विमान से शनिवार रात अमृतसर हवाई अड्डे लाया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें 'डंकी' मार्ग से अमेरिका ले जाया गया था। 'डंकी' मार्ग वह अवैध और जोखिम भरा मार्ग है जिसका इस्तेमाल प्रवासी अमेरिका में प्रवेश करने के लिए करते हैं। इनके परिजनों का भी आरोप है कि ट्रैवल एजेंट ने धोखा दिया है। पहले तो एजेंट ने उन्हें कानूनी तरीके से अमेरिका ले जाने का आश्वासन दिया था लेकिन बाद में जब उन्हें कई स्थानों पर ले जाया गया, तो उन्हें यात्रा की वैधता पर संदेह पैदा हुआ।

बता दें अमेरिका से 116 अवैध प्रवासियों को लेकर एक विमान शनिवार देर रात अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। एक अधिकारी ने बताया कि यह अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के तहत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन द्वारा 5 फरवरी के बाद निर्वासित किया गया भारतीयों का दूसरा जत्था है। इनमें पंजाब से संबंध रखने वाले लोगों को आव्रजन संबंधी और पृष्ठभूमि की जांच के बाद रविवार तड़के करीब साढ़े चार बजे पुलिस की गाड़ियों में उनके घर पहुंचाया गया। हरियाणा सरकार ने भी राज्य से निर्वासित लोगों के लिए परिवहन की व्यवस्था की।

सूत्रों के मुताबिक दूसरे जत्थे में निर्वासित लोगों में पंजाब से 65, हरियाणा से 33, गुजरात से 8, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से दो-दो और हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से एक-एक व्यक्ति शामिल है। अधिकतर निर्वासित लोग 18 से 30 साल के हैं। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि 157 निर्वासितों को लेकर तीसरे विमान के 16 फरवरी को भारत आएगा।

मैं और मेरे परिवार को मारना चाहते हैं लोग : रणवीर इलाहाबादिया का पोस्ट

मुंबई। कॉमेडियन समय रैना के यूट्यूब शो इंडियाज गॉट लैटेंट में विवादास्पद टिप्पणी के बाद रणवीर इलाहाबादिया ने जो पोस्ट शेयर किया है उसमें उन्होंने बताया, मैं और मेरी टीम पुलिस के साथ सहयोग कर रहे हैं। मैं प्रोसेस को फॉलो करूंगा और एजेंसियों के लिए मौजूद रहूंगा। माता-पिता को लेकर मेरी टिप्पणी बहुत ही असंवेदनशील और अपमानजनक थी। ये मेरी नैतिक जिम्मेदारी है कि मैं बेहतर करूं और मैं सच में आपसे माफी मांगता हूं। पोस्ट में उन्होंने बताया कि वो और उनकी टीम जांच में पुलिस का साथ दे रहे हैं। साथ ही, उन्होंने बताया कि उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। रणवीर ने कहा कि कुछ लोग उनकी मां की क्लीनिक में मरीज बनकर पहुंच गए थे और वो बहुत डरे हुए हैं। उन्होंने आगे लिखा, मैं देख रहा हूं कि लोग मुझे जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं, कह रहे हैं वो मुझे मारना चाहते हैं। लोग मेरी मां के क्लीनिक में मरीज बनकर घुस आए। मैं बहुत डरा हुआ हूं और मुझे नहीं पता मैं क्या करूं। मैं भाग नहीं रहा हूं। मुझे पुलिस और भारत की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। बता दें, रणवीर इलाहाबादिया का बयान दर्ज करने के लिए पुलिस उनके घर पहुंची थी, लेकिन पुलिस को उनके घर पर ताला लटका मिला। वहीं, उनका फोन भी बंद आ रहा था। पुलिस इस मामले में अभी तक रणवीर का बयान दर्ज नहीं कर पाई है।

काशी में भक्तों का सैलाब: लंबा इंतजार, दर्शन के लिए 5 किमी लंबी लाइन

वाराणसी (एजेंसी)। काशी और अयोध्या में वीकेंड पर श्रद्धालुओं का जबरदस्त सैलाब उमड़ा है। वाराणसी में करीब 20 लाख लोग पहुंचे, जिससे मंदिर और रेलवे स्टेशनों पर भारी भीड़ देखी जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने जगह-जगह बैरिकेडिंग की है, वहीं गंगा आरती को 26 फरवरी तक रोक दिया गया है। इसके अलावा, शाम 6 बजे के बाद गंगा में नाव संचालन पर भी रोक लगा दी गई है।

रविवार तड़के 2:45 बजे बाबा विश्वनाथ मंदिर के कपाट खोले गए, जिसके बाद श्रद्धालु दर्शन के लिए उमड़ पड़े। मंदिर के बाहर 5 किलोमीटर तक लंबी कतारें लगी रहीं, और भक्तों को दर्शन करने में 5-6 घंटे का समय लगा है। भीड़ के चलते रेलवे स्टेशन पर भी हालात खराब रहे हैं। ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जिससे यात्री स्टेशन पर ही फंसे हुए हैं। कुछ यात्रियों ने दावा किया कि वो 24 घंटे से ट्रेन का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ट्रेन उनके गंतव्य को जाने वाली नहीं आई।

अयोध्या में भी श्रद्धालुओं का भारी जमावड़ा

अयोध्या में भी 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं। हनुमान गढ़ी में इतनी भीड़ है कि पैर रखने की जगह तक नहीं बची। रामलला के दर्शन के लिए 2 किलोमीटर लंबी लाइन लगी। पुलिस द्वारा गाड़ियों को सीमा पर ही रोक दिया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को 10 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ रहा है।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं से धैर्य से काम लेने की अपील

काशी और अयोध्या में भीड़ को संभालने के लिए प्रशासन लगातार निगरानी रखे हुए है। इसके साथ ही किसी अनहोनी से बचने प्रशासन ने श्रद्धालुओं से धैर्य बनाए रखने और नियमों का पालन करने की अपील की है, ताकि सभी सुरक्षित और सुगमता से दर्शन कर सकें।

अगर कोई बैंक बैन या बंद हो जाए तो क्या होगा, आपको कितना पैसा मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में मुंबई स्थित न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। इस प्रतिबंध के तहत बैंक के ग्राहक अगले छह महीनों तक अपनी जमा राशि नहीं निकाल सकेंगे और न ही कोई अन्य लेन-देन कर पाएंगे। यह फैसला बैंक में वित्तीय अनियमितताओं और खराब प्रबंधन को देखते हुए लिया गया है। इस घोषणा के बाद बैंक की शाखाओं के बाहर परेशान ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी, जो अपनी मेहनत की कमाई को लेकर चिंतित हैं। आरबीआई की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि बैंक की वित्तीय स्थिति में सुधार होने के बाद ही प्रतिबंध हटाए जाएंगे। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब किसी बैंक पर इस तरह की पाबंदी लगी हो। इससे पहले पीएमसी बैंक, यस बैंक और शिरपुर मर्चेंट्स कोऑपरेटिव बैंक पर भी इसी तरह के प्रतिबंध लगाए गए थे। बैंक में अपना पैसा जमा करने वाले ग्राहकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर बैंक दिवालिया हो जाता है तो उनकी जमा राशि का क्या होगा।

भारतीय बैंकिंग नियमों के अनुसार, यदि कोई बैंक डूब जाता है या उसका लाइसेंस रद्द कर दिया जाता है, तो ग्राहकों को अधिकतम 5 लाख रुपए तक की राशि वापस मिल सकती है। यह सुरक्षा डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन (डीआईसीजीसी) के तहत आती है, जो बचत खाता, चालू खाता और एफडी जैसी सभी जमाओं को मिलाकर अधिकतम 5 लाख रुपए की गारंटी देती है। यदि किसी ग्राहक के एक ही बैंक में 7 लाख रुपए जमा हैं, तो भी उसे अधिकतम 5 लाख रुपए ही वापस मिलेंगे। लेकिन अगर उसने अपनी जमा राशि को अलग-अलग बैंकों में वितरित कर रखा है, तो प्रत्येक बैंक से उसे 5 लाख तक की राशि प्राप्त हो सकती है।

बैंकिंग विशेषज्ञों के अनुसार, ग्राहकों को अपनी पूरी जमा राशि एक ही बैंक में रखने के बजाय अलग-अलग बैंकों में वितरित करनी चाहिए। इसके अलावा, सरकारी बैंकों जैसे एसबीआई, पीएनबी, बैंक ऑफ बड़ौदा और बड़े निजी बैंकों जैसे एचडीएफसी, आईसीआईसीआई, कोटक महिंद्रा में धन जमा करना अधिक सुरक्षित माना जाता है। सहकारी बैंकों की वित्तीय स्थिति कई बार अस्थिर हो सकती है, इसलिए उनमें बड़ी मात्रा में धन रखने से बचना चाहिए। आरबीआई ने साफ किया है कि न्यू इंडिया को-ऑपरेटिव बैंक की स्थिति सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं। यदि बैंक की हालत बेहतर होती है, तो प्रतिबंध हटाए जा सकते हैं। लेकिन फिलहाल ग्राहकों को धैर्य बनाए रखने और अपने निवेश को सोच-समझकर करने की सलाह दी गई है।

सिद्धरमैया हमारे नेता हैं, उनके नाम का गलत इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं: शिवकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं और किसी को भी उनके नाम का दुरुपयोग करके बयान देने की कोई जरूरत नहीं है।

पार्टी के एक वर्ग का कहना है कि सिद्धरमैया को मुख्यमंत्री के तौर पर अपना कार्यकाल पूरा करना चाहिए, जिसपर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शिवकुमार ने यह बयान दिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस साल के अंत में कर्नाटक में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच अगले चुनाव में सत्ता बरकरार रखने के लिए सिद्धरमैया का नेतृत्व पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को कई मौकों पर छिपा नहीं पाए हैं। शिवकुमार ने कहा, सिद्धरमैया हमारे मुख्यमंत्री हैं, वह हमारे नेता हैं, हम उन्हें सभी चुनावों में चाहते हैं। हम उन्हें जिला पंचायत, तालुक पंचायत, विधानसभा और संसद चुनावों में चाहते हैं। वह हमारे नेता हैं।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, कांग्रेस पार्टी ने सिद्धरमैया को दो बार मुख्यमंत्री बनाया है। किसी को भी आए दिन उनके नाम का दुरुपयोग करने की कोई जरूरत नहीं है। वह हमारे नेता हैं, कांग्रेस पार्टी के निर्विवाद नेता हैं। वह दूसरी बार मुख्यमंत्री के तौर पर काम कर रहे हैं और अच्छा काम कर रहे हैं। मैं नहीं चाहता कि वह मीडिया (अटकलबाजी) का विषय बनें।

पार्टी नेताओं के बयानों के बारे में पूछे जाने पर शिवकुमार ने कहा, कोई भ्रम नहीं है, कांग्रेस पार्टी हर दिन हर चीज पर नजर रख रही है। सिद्धरमैया मई 2023 से मुख्यमंत्री हैं। इससे पहले वह 2013 से 2018 तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं।

प्रदेश अध्यक्षों की घोषणा नहीं होने की वजह से अब अगले माह भाजपा को मिलेगा नया अध्यक्ष

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा फिलहाल अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। यह दायित्व संभाले हुए उन्हे करीब 6 साल हो गए हैं। कई बार नए अध्यक्ष को लेकर चर्चा चली लेकिन कुछ न कुछ अड़चन आने के कारण नड्डा का कार्यकाल बढ़ता रहा है। इस बार भी कहा जा रहा है कि मार्च में भाजपा को जेपी नड्डा का विकल्प मिल पाएगा। इसकी वजह यह है कि भाजपा के संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पहले कम से कम आधी राज्य इकाइयों के अध्यक्षों का चुनाव हो जाना चाहिए। वहीं प्रदेश अध्यक्षों के इलेक्शन से पहले जिलाध्यक्ष चुने जाने चाहिए। अब तक कई राज्य ऐसे हैं, जहां जिलाध्यक्ष ही नहीं चुने जा सके हैं और इसके कारण प्रदेश अध्यक्षों का इलेक्शन अटका है।

इससे पहले नड्डा लोकसभा चुनाव तक के लिए कार्यकाल विस्तार मिला था, लेकिन फिर महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों के चुनाव के कारण नए अध्यक्ष का चुनाव लटक गया। उम्मीद थी कि जनवरी या फरवरी तक भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा,

लेकिन यह फिर से टल गया है। फिर इसी के कारण राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में भी देरी हो रही है। इसकी एक वजह यह भी रही कि भाजपा ने अपने संगठन की पूरी मशीनरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव में उतार दिया था। इसके कारण कई राज्यों में संगठन चुनाव लटक गए। भाजपा ने अब तक 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 11 में ही प्रदेश अध्यक्ष चुने हैं। कई राज्यों में चुनाव जारी हैं और कहीं तो अध्यक्षों को रिपीट ही किया जा रहा है। अब तक आंध्र प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में जिलाध्यक्षों का चुनाव हो चुका है। लेकिन उत्तराखंड, यूपी समेत कई राज्यों में अब भी इलेक्शन अटका हुआ है। भाजपा संगठन के लोगों का कहना है कि राज्यों में ही चुनाव होना फरवरी या मार्च के शुरुआती दिनों तक संभव है। ऐसे में इसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा।

इस तरह पूरी संभावना है कि मार्च के आखिर तक ही भाजपा को नया अध्यक्ष मिल जाएगा। इस देरी कि एक वजह यह भी रही कि लोकसभा चुनाव के बाद भी लगातार राज्यों के चुनाव बने रहे। फिर दिल्ली विधानसभा चुनाव आ गया। अब बिहार विधानसभा इलेक्शन में करीब 6 महीने का वक्त है। ऐसे में बीच के इस समय का इस्तेमाल भाजपा संगठन में बदलाव के लिए करना चाहेगी। इससे संगठन की कमान संभालने वाले नए अध्यक्ष को भी तैयारी का मौका मिल जाएगा। भाजपा के अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का ही होता है, लेकिन जेपी नड्डा को इस बार विस्तार मिला। जेपी नड्डा भले ही पीएम नरेंद्र मोदी की छाया में रहे हैं, लेकिन उनके कार्यकाल को कई राज्यों में शानदार जीत और लगातार तीसरी बार केंद्र में सरकार बनने के लिए याद किया जाएगा।

अमेरिका से 157 भारतीयों को लेकर आ रहा तीसरा विमान, यह भी अमृतसर में उतरेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवासी भारतीयों को लेकर अमेरिका से तीसरा विमान आ रहा है। कितने बजे तक लैंड करेगा इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। ये तीसरा विमान भी अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरेगा।

अमेरिका से 116 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर सैन्य विमान सी-17 ए ग्लोबमास्टर-3 शनिवार रात 11:30 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। पहले 119 अप्रवासियों को डिपोर्ट करने के खबरें थीं, लेकिन बाद में लिस्ट अपडेट की गई। इस विमान में पंजाब से 65, हरियाणा से 33, गुजरात से 8, उत्तर प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र और राजस्थान से 2-2 और हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर से एक-एक व्यक्ति शामिल थे।

एयरपोर्ट के अंदर पहले सभी के दस्तावेजों की चेकिंग की गई। इसके साथ यह भी देखा गया कि किसी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड है या नहीं। सारी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उनके परिजनों के हवाले कर दिया गया। अमेरिका तीसरे बैच में 157 अवैध प्रवासी भारतीयों को रविवार यानी आज सुबह अमृतसर भेजेगा। अभी यह पता नहीं चल सका है कि विमान कितने बजे यहां लैंड करेगा।

अमृतसर को डिपोर्ट केंद्र नहीं बनने देंगे: मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतसर हवाई अड्डे पर भारतीय प्रवासियों को ला रहे अमेरिकी विमानों की लैंडिंग को लेकर केंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पवित्र शहर अमृतसर को बदनाम किया जा रहा है। हम अमृतसर को डिपोर्ट केंद्र नहीं बनने देंगे। अमेरिका से डिपोर्ट किए गए लोगों को अमृतसर एयरपोर्ट पर उतारना केंद्र सरकार की साजिश है। यह जहाज दिल्ली या अहमदाबाद अथवा देश के किसी भी एयरबेस पर उतारा जा सकता है। अमेरिका से आने वाले जहाज के लिए पहले दिल्ली एयरपोर्ट आता है।

स्पीड में चीन के बाहुबली फाइटर जेट का मुकाबला नहीं कर सकता अमेरिका का एफ 35

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने भी 5वीं जेनरेशन का एयरक्राफ्ट डेवलप किया है। यह एयरक्राफ्ट अमेरिका के एफ 35 से कई गुना ज्यादा गति वाला है। चीन ने हाल में ही 5वीं जेनरेशन फाइटर जेट जे-35ए को दुनिया के सामने पेश किया था। बताया जाता है कि बीजिंग ने एफ-35 से प्रेरित होकर जे-35ए फाइटर जेट बनाया है। हालांकि, चीनी लड़ाकू विमान स्पीड और टेक्नोलॉजी के मामले में अमेरिका के एफ-35 एयरक्राफ्ट से अपग्रेड है।

बता दें कि चीन पिछले कुछ साल में अपने डिफेंस पर खर्च में बेतहाशा वृद्धि की है। खासकर एयरफोर्स और नेवी को अपग्रेड किया है। यह प्रक्रिया अभी भी जारी है। इसे देखेते हुए भारत को भी इस दिशा में कदम उठाना पड़ रहा है। भारत भी एयरफोर्स को अपग्रेड कर रहा है। राफेल के बाद अब अमेरिका से एफ-35 एयरक्राफ्ट को खरीदने का फैसला किया गया है। दूसरी तरफ नेवी को भी मॉडर्न बनाया जा रहा है। राफेल-एम की खरीद उसी प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके अलावा मिसाइल और अन्य आधुनिक वेपन को डेवलप किया जा रहा है। सबसे पहले चीन की पांचवीं पीढ़ी के विमान जे-35ए की बात करते हैं। बीजिंग ने बदलते सामरिक माहौल के बीच पांचवीं पीढ़ी के विमान का निर्माण शुरू किया है। इसी क्रम में डेवलप किया गया है। यह फाइटर जेट स्टील्थ होने के कारण रडार की पकड़ से बाहर है। मतलब इसे रडार पकड़ नहीं सकते हैं।

अमेरिका का एफ-35 फाइटर जेट भी पांचवीं पीढ़ी का विमान है। यह एयरक्राफ्ट मैक-1.6 की रफ्तार से उड़ान भरने में सक्षम है। फिफ्थ जेनरेशन का विमान होने की वजह से यह रडार की पकड़ से दूर है। मतलब इसे रडार नहीं पकड़ सकता है। इसमें एडवांस्ड सेंसर लगे हुए हैं, ताकि टारगेट को हासिल करने में आसानी रहे। इसके अलावा इस विमान में रडार को जाम करने की भी क्षमता है। साथी मॉडर्न इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से भी यह फाइटर जेट लैस है।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।

तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।

कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर
यहां राम ने ब्रह्महत्या का पाप धोया था

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने ष पहुंचे, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

मंत्र जपने के चमत्कारिक फायदे

मंत्रयोग या जपयोग के चमत्कार के संबंध में शास्त्रों में ढेर सारे उल्लेख मिलते हैं। वेदों में उल्लेख है कि विशेष प्रकार के मंत्रों से विशेष तरह की शक्ति उत्पन्न होती है। अनेक परिक्षणों से यह सिद्ध हो गया है कि मंत्रों में प्रयोग होने वाले शब्दों में भी शक्ति होती है। मंत्रों में प्रयोग होने वाले कुछ ऐसे शब्द हैं, जिन्हे 'अल्फा वेव्स' कहते हैं। मंत्र का यह शब्द 8 से 13 साइकल प्रति सैंकेंड में होता है और यह ध्वनि तरंग व्यक्ति की एकाग्रता में भी उत्पन्न होती है। इन शब्दों से जो बनता है, उसे मंत्र कहते हैं। मंत्रों के जप करने से व्यक्ति के भीतर जो ध्वनि तरंग वाली शक्ति उत्पन्न होती है, उसे ही जपयोग या मंत्र योग कहते हैं। शास्त्र अनुसार 'ज' का अर्थ जन्म का रुक जाना और 'प' का अर्थ पाप का नष्ट हो जाना। किसी भी मंत्र को बार बार जपने से कई तरह के चमत्कारि घटित होते हैं। आओ जानते हैं 5 चमत्कारिक फायदे।

बढ़ती एकाग्रता मानसिक - शक्ति : मंत्र का अर्थ होता है मन को एक तंत्र में बांधना। जब मन एक तंत्र में बंध जाता है तो व्यक्ति मानसिक रूप से शक्तिशाली बन जाता है और इससे एकाग्रता भी बढ़ जाती है। अच्छे विचार, मंत्र और भगवान का बार-बार जप करने या ध्यान करते रहने से व्यक्ति की मानसिक शक्ति बढ़ती जाती है। मानसिक शक्ति के बल पर ही व्यक्ति सफल, स्वस्थ और शक्तिशाली महसूस कर सकता है। मंत्र के द्वारा हम खुद के मन या मस्तिष्क को बुरे विचारों से दूर रखकर उसे नए और अच्छे विचारों में बदल सकते हैं। लगातार अच्छी भावना और विचारों में रत रहने से जीवन में हो रही बुरी घटनाएं रुक जाती है और अच्छी घटनाएं होने लगती है।

देवताओं से जुड़ता संबंध - अपने ईष्ट या किसी शक्तिशाली मंत्र का निरंतर जप करने से व्यक्ति ईधर माध्यम की सकारात्मक ऊर्जा और शक्तियों से जुड़ जाता है। मंत्र से किसी देवी या देवता को साधा जाता है, मंत्र से किसी भूत या पिशाच को भी साधा जाता है और मंत्र से किसी यक्षिणी और यक्ष को भी साधा जाता है। 'मंत्र साधना' भौतिक बाधाओं का आध्यात्मिक उपचार है। यदि आपके जीवन में किसी भी प्रकार की समस्या या बाधा है तो उस समस्या को मंत्र जप के माध्यम से हल कर सकते हैं।

प्राप्त होती सिद्धि -किसी भी मंत्र को प्रातिदिन निरंतर जपते रहने से सिद्धियों का द्वार खुल जाता है। जागृत, स्वप्न और सुषुप्ति तीनों ही अवस्था में व्यक्ति जागा हुआ हो जाता है। जपयोग व्यक्ति के अवचेतन को जाग्रत कर उसे दिव्य दृष्टि प्रदान करता है। ऐसा व्यक्ति स्वयं को किसी भी रूप में स्थापित करने में सक्षम हो जाता है। इससे व्यक्ति टेलीपैथिक और परा मनोविज्ञान में पारंगत हो सकता है।

सूक्ष्म शरीर को सक्रिय करते हैं मंत्र -निरंतर मंत्र जप करने से ध्वनि तरंग उत्पन्न होती है, उससे शरीर के स्थूल व सूक्ष्म अंग तक कंपित होते हैं। इसके कारण व्यक्ति का सूक्ष्म शरीर सक्रिय होकर शक्तिशाली परिणाम देना प्रारंभ कर देता है।

मिटते हैं शोक- जब व्यक्ति बहुत व्यग्र या चिंतित रहता है तो तरह-तरह के नकारात्मक विचारों से घिर जाता है और पहले की अपेक्षा परिस्थितियों को और संकटपूर्ण बना लेता है। ढेर सारे विचारों से बचने के लिए किसी भी मंत्र का जप करते रहने से मन में विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। इससे शोक और संताप मिट जाता है। यह व्यक्ति को मानसिक रूप से शांत कर देता है। यदि आप सात्विक रूप से निश्चित समय और निश्चित स्थान पर बैठक मंत्र प्रतिदिन मंत्र का जप करते हैं तो आपके मन में आत्मविश्वास बढ़ता है साथ ही आपमें आशावादी दृष्टिकोण भी विकसित होता है जो कि जीवन के लिए जरूरी है।

पाखंड और अंधविश्वास से बचा सकती है ऐसी सोच

आप किसी भी शहर में हों, आपको सुनने को मिलेगा कि कोई अलौकिक बाबा, योगपुरुष या फकीर का आगमन इस शहर में हो रहा है। उनके दर्शन या स्पर्श मात्र से असाध्य से असाध्य बीमारियां पलक झपकते ही गायब हो जाती हैं। इच्छुक व्यक्ति के मिलने के लिए बाबाओं के सारे अते-पते के पैंफ्लेट शहर की दीवारों पर चिपके मिलते हैं। बाबाओं को मालूम है कि हमारे यहां समस्याग्रस्त लोगों की कमी नहीं है। एक ढूंढो, लाख मिल जाते हैं।एक बार मैं भी आजमाने के खयाल से मुंबई में एक बाबा से मिलने चला गया। लेकिन वह मुझसे नाराज इसलिए हो गए क्योंकि मैंने उन्हीं की बात को दोहराते हुए कह दिया कि जब ईश्वरीय इच्छा से सब कुछ होना है तो फिर लोग आपके पास क्यों आएं वे खुद भगवान से अपने अच्छे दिन के लिए प्रार्थना करेंगे। अनेक असाध्य रोगियों से उन्हें कहते हुए सुना कि यह केस वे नहीं ले सकते क्योंकि ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध जाना होगा। इसका सीधा मतलब है कि उनका पाखंड जहां चल जाता है, वे वहां अपना धंधा करने में कामयाब हो जाते हैं। असाध्य रोगियों पर ईश्वर की इच्छा लाद देते हैं। यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि हमारे देश में होने वाली घटनाओं की लंबी शृंखला की एक कड़ी है।कहीं भभूति, कहीं स्पर्श मात्र से तो कहीं मंत्र से शुद्ध किया हुआ पानी पिलाने से समस्याओं और रोगों को ठीक करने की गारंटी कब से दी जाती रही है। आजकल योग-ध्यान का विज्ञापन भी इसी सस्ती भूमिका पर उतर आया है। कोई यह सोचने के लिए तैयार नहीं है कि भारत में जब इतने महात्मा, बाबा और योगीजन बीमारियों से मुक्त करने का दावा कर रहे हैं तो बड़े-बड़े अस्पतालों, डॉक्टरों और इन पर होने वाले भारी भरकम खर्च की क्या जरूरत है लेकिन जब हम इनके जीवन के भीतर झांकते हैं तो तस्वीर का एक दूसरा बड़ा ही दयनीय और निराशाजनक पहलू सामने आता है। दूसरों को रोगमुक्त करने वाला खुद डॉक्टरों की शरण में होता है।आज शरीर-शास्त्री तथा चिकित्सा-विज्ञान के पंडित इस तथ्य से सहमत हैं कि अधिकांश रोगों का कारण हमारा मन है। मानसिक आवेग और उद्वेग बहुत प्रकार के रोगों को जन्म देते हैं। कुछ रोग आज के व्यस्तता बहुल वातावरण से उत्पन्न दबावों और तनावों की वजह से होते हैं। ये रोग मनोवैज्ञानिक हैं, इसलिए इनका इलाज भी उसी भूमिका पर होना आवश्यक होता है। इसी का फायदा बाबा उठा लेते हैं। आस्थाशील लोग एक मनो-विभ्रम से निकलकर दूसरे मनो-विभ्रम में पड़ जाते हैं। चूंकि यह सुखद विभ्रम होता है इसलिए साधारण आदमी के लिए यह चमत्कार बन जाता है। एक कथित चमत्कारिक घटना को आधार बनाकर दस नई कथाओं को खड़ा करने में भक्त लोग माहिर होते हैं। इस तरह यह सिलसिला आगे चलता रहता है।सुशिक्षित, बुद्धिमान लोग भी इनकी गिरफ्त में आ जाते हैं। लेकिन आज इस स्थिति का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण होना आवश्यक है। तभी पाखंडों और अंधविश्वासों को पनपने से रोका जा सकता है। श्रद्धा का शोषण शताब्दियों से किया जाता रहा है और आज भी हो रहा है। इन स्थितियों को समझने के साथ-साथ मनो-विभ्रम से भी निकलना बहुत जरूरी है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

कहते हैं कि पत्थर में भी जान होती है। निश्चित ही मूर्ति एक पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई तेती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां बंगलामुखी माता, दत्तात्रेय भैरव, बटुक भैरव, अन्नपूर्णा भैरव, काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है।

देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है।

तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट है। कहा जाता है कि यहां किसी के नहीं होने पर भी कई तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस मंदिर के परिसर में कुछ शब्द गूंजते रहते हैं। यहां पर वैज्ञानिकों की एक टीम भी गई थी, जिन्होंने रिसर्च करने के बाद कहा कि यहां पर कोई आदमी नहीं है। इस कारण यहां पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं। मुगलों ने देश के कई मंदिरों को ध्वस्त किया लेकिन वे इन शक्तिपीठों को कभी खंडित नहीं कर पाए। ऐसा दुस्साहस करने वाले काल के मुख में समा गए हैं। उदाहणणार्थ माता हिंगलाज और माता ज्वालादेवी का शक्तिपीठ।

विनीत कुमार सिंह ने बताया कवि कलश के रूप में एक योद्धा की भूमिका के लिए कैसे तैयारी की

छावा रिलीज हो गई है। इस ऐतिहासिक फिल्म में हैरान करने वाला तत्व अभिनेता विनीत कुमार सिंह हैं, जिन्होंने राजे के करीबी विश्वासपात्र चंदोगामात्य कवि कलश की भूमिका निभाई है। चंदोगामात्य, जैसा कि संभाजी महाराज ने भी पूरी फिल्म में उन्हें प्यार से संबोधित किया है, उन्होंने हर कदम पर साबित किया कि वे स्वराज के प्रति वफादार थे। जहां तक यह भूमिका निभाने वाले विनीत की बात है, तो उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने और बाकी कलाकारों ने फिल्म में प्रतिष्ठित मराठा योद्धाओं की भूमिका निभाने के लिए कितनी कठिन मेहनत की थी।

विनीत ने खुलासा किया, मैंने छावा के लिए व्यापक तैयारी की। और यह लगभग 11 महीने तक चली। उस समय, हमें पूरी तरह से प्रशिक्षित किया गया था कि मराठा योद्धा की बारीकियों को कैसे अपनाया जाए। मैंने घुड़सवारी, तलवारबाजी, लाठी चलाना और भाला चलाना आदि सीखा और ये प्रशिक्षण अवधि भी फिल्म की शूटिंग के साथ मेल खाती थी। अब आप कह सकते हैं कि मैं शास्त्र विद्या में थोड़ा प्रशिक्षित हूं। मुझे नई चीजें सीखना बहुत पसंद है। मुझे ये अवसर देने के लिए फिल्मों को धन्यवाद। लक्ष्मण उतेकर सर और मैडॉक फिल्म्स को धन्यवाद। काम के मोर्चे पर, विनीत जल्द ही सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव में नज़र आएंगे, जहां वह एक भावुक लेखक की भूमिका निभाएंगे। 28 फरवरी को रिलीज होने के लिए तैयार, रीमा कागती निर्देशित इस फिल्म में अभिनेता महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। इसके बाद उनके पास जाट है, जिसके लिए वह फिलहाल शूटिंग कर रहे हैं।

मुझे भी डिंपल मैम जैसा कुछ शानदार करना है

निर्देशक आनंद एल राय की फिल्म 'तेरे इश्क में' के पोस्टर में सुट्टा मारती नजर आईं अभिनेत्री कृति सेनन का अभिनय फिल्म दर फिल्म निखरा है। वह मानती हैं कि उन्हें हिंदी सिनेमा की दमदार अभिनेत्रियों से काफी कुछ सीखने को मिला है। हाल ही में कृति सेनन से साझा कि उन्होंने बॉलीवुड की कुछ नामी, टैलेंटेड एक्ट्रेसेस से काफी कुछ सीखा है। वह इन्हें अपना आइडल मानती हैं। इन एक्ट्रेसेस में काजोल, तब्बू, डिंपल कपाड़िया और करीना कपूर शामिल हैं।

डिंपल मैम के रंग बिरंगे चश्मे

मुझे पता है कि ये इतना आसान नहीं होता लेकिन अभिनय मैंने दूसरों को देखकर ही सीखा है। अक्सर कहा जाता है कि अभिनेत्रियों के बीच सहज संवाद कम ही होता है पर मैंने जितनी भी हीरोइन के साथ काम किया, उनमें डिंपल (कपाड़िया) मैम का रुतबा सबसे अलग दिखा है। उनका क्या ही तो स्टाइल है, कमाल कॉन्फीडेंस और उनके रंग बिरंगे धूप के चश्मे, उफ़! एक दिन मैं भी उनके जैसे किरदार करना चाहूंगी।

करीना का करिश्मा

करीना कपूर को वैसे देखिए तो वह बहुत ही मस्तमौला टाइप की इंसान लगती है। लेकिन, सेट पर आते ही वह एकदम से बदल जाती हैं। कैमरे की नजरों में वह अलग ही दिखती हैं। हर सीन से पहले हर संवाद को तरह तरह से बोलकर याद करती हैं।

तब्बू मैम का ताव

तब्बू मैम का ताव हिंदी सिनेमा में सबसे अनोखा है। उनके किरदारों की पूरी एक फेहरिस्त मेरे पास है जिनको मौका मिले तो मैं तुरंत करना चाहूंगी। वह अपने अभिनय की आशुकवि हैं। उनके दिमाग में न जाने कहां से वह सब कैमरा ऑन होते ही आ जाता है। उनके चेहरे की एक मुस्कुराहट पूरे सीन का भाव बदल देती है।

काजोल की कलाकारी

काजोल मैम के साथ मैंने पहले फिल्म 'दिलवाले' की थी और फिर 'दो पत्ती'।

इतने साल अभिनय करने के बाद भी वह हर बार कुछ नया, कुछ बेहतर करने के लिए एक न्यूकमर की तरह लालायित दिखती हैं। अभिनय के प्रति उनका ये समर्पण अक्सर मुझे शाहरुख (खान) सर की याद दिलाता है।

स्टार किड्स से बेहतर काम कर रहे हैं बाहरी कलाकार

साल 2016 में आई फिल्म सनम तेरी कसम को सिनेमाघरों में री-रिलीज किया गया। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर आई नई फिल्मों से ज्यादा फैंस का प्यार मिल रहा है। फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा हो रही है। इस फिल्म को देख फैंस की मांग बढ़ गई है कि अभिनेता को बड़ी फिल्मों में कास्ट किया जाए। हर्षवर्धन राणे इन दिनों इंडस्ट्री में स्ट्रगल कर रहे हैं।

चर्चा से ज्यादा है काम पर विश्वास

बातचीत में हर्षवर्धन ने बताया कि कैसे उन्हें इंडस्ट्री में चल रहे भाई-भतीजावाद से परेशानी है। हर्षवर्धन ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो मैं उन लोगों में से हूं जो अपने आस-पास चल रही आवाजों से ज्यादा काम करने में विश्वास करता हूं। कहा जाता है कि स्टार किड्स को बेहतर काम मिला है, लेकिन जब मैं लिस्ट देखता हूं, तो इसमें से कुछ लोग पहले ही अपने काम से हट चुके हैं।

बाहर से आए लोग कर रहे बेहतर काम

हर्षवर्धन राणे ने कहा कि स्टार किड्स से ज्यादा इंडस्ट्री के लोग बेहतर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम उनकी सफलता पर नजर क्यों नहीं डालते हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री से ही नहीं अगर हमें किसी भी चीज पर संशय हो तो हमें उसके नोट्स बनाकर रख लेने चाहिए, इसमें कोई बुराई नहीं है।

बाहरी कलाकार कर रहे हैं अच्छा काम

हर्षवर्धन ने कहा, मैं कहता हूं कि स्टार किड्स से ज्यादा बाहर से आए लोग बेहतर काम कर रहे हैं। स्टार किड्स को इंडस्ट्री बाहर से आए कलाकारों से कम ही काम मिल रहा है। इंडस्ट्री से कोई ताल्लुक न रखने वाले कलाकार ही बेहतर काम कर रहे हैं।

प्रोड्यूसर का मिला प्यार

अभिनेता ने इस बातचीत में कहा कि मैं चाहता हूं कि इंडस्ट्री मुझ पर विश्वास करे। सनम तेरी कसम फिल्म को लेकर हर्षवर्धन ने कहा, मुझे उन्होंने एक बेहतर कहानी दी, जिसे मैंने बहुत अच्छे तरीके से लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की। मैं आखिरी में प्रोड्यूसर को खुश देखना चाहता हूं। उन्होंने मुझे जोर से गले लगा लिया था, जब ये फिल्म रिलीज हुई थी। मुझे फिल्म के कारण बहुत सारे फैंस का प्यार भी मिला है, जो मेरे लिए बहुत महत्व रखता है।

कावेरी कपूर ने बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी का गाना खुद गाया और लिखा है?

बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी कावेरी कपूर के लिए हमेशा खास रहेगी। सिर्फ इसलिए नहीं कि यह उनका बॉलीवुड डेब्यू है, बल्कि इसलिए कि उन्होंने फिल्म के लिए एक खूबसूरत गाना गाया और कंपोज किया। फिल्म का गाना एक धागा तोड़ा मैंने एक खूबसूरत धुन है, जो जीवन के उस उथल-पुथल में खुद को खोजने के बारे में है, जो कभी-कभी जीवन बन जाता है। यह इस के बारे में है कि जीवन के घटित होने के बाद जीवन का क्या अर्थ है। यह आगे बढ़ने के बारे में है चाहे कुछ भी हो। और जो चीज़ गाने के पीछे के अर्थ की सुंदरता में जान डाल देती है, वह है कावेरी की भावपूर्ण आवाज़।

यह गाना कैसे बना, इस बारे में बात करते हुए कावेरी ने बताया कि जब वह केवल 15 साल की थीं, तब उन्होंने यह गाना लिखा था। यह उन्होंने एक याद के रूप में लिखा था। लेकिन जैसे गाने में बताया गया है, कावेरी का जीवन और उनके प्लान उस समय बदल गए जब उन्हें बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी का प्रस्ताव मिला और कुछ बदलावों के बाद इसे फिल्म के साउंडट्रैक में इस गाने को शामिल किया गया। कावेरी ने कहा, यह गाना कभी भी हिंदी गाना नहीं था और मेरी इसे किसी फिल्म में शामिल करने की कोई योजना नहीं थी। जब मैं 15 साल की थी तब मैंने यह गाना बनाया और लिखा था। लेकिन जब फिल्म बनी और कुणाल कोहली और निर्माता मोहन नादर ने इसे सुना, तो उन्हें यह इतना पसंद आया कि उन्होंने मुझसे इसे शामिल करने के लिए कहा। गाना, जिसे दरअसल पहले ए.आर. रहमान और कावेरी ने अंग्रेज़ी में रिकॉर्ड किया था। गीतकार प्रसून जोशी द्वारा केवल दो दिनों में हिंदी में फिर से तैयार की गई और ए. आर. रहमान द्वारा निर्मित की गई, जिसमें मूल रचना और गायन का श्रेय स्वयं कावेरी को दिया गया।

स्क्रिप्ट अच्छी हो तो बाकी चीजें मायने नहीं रखती

पंचायत फेम एक्टर जितेंद्र कुमार इन दिनों अपने नए गाने 'कह दो ना' को लेकर चर्चा में हैं। ये गाना हाल ही में रिलीज हुआ है। इस गाने में उनके साथ मनप्रीत कौर भी हैं। अब जीतेंद्र ने गाने और अपने इंडस्ट्री के सफर के बारे में बातचीत की। उन्होंने बताया कि फिल्ममेकिंग में राइटिंग सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। अगर स्क्रिप्ट अच्छी हो तो बाकी चीजें मायने नहीं रखती है।

गाने की शूटिंग का अनुभव कैसा रहा?

जब मैंने पहली बार गाना सुना, तो मुझे यह नहीं पता था कि इसे किसने बनाया है। लेकिन रेखा मैम (रेखा भारद्वाज) की आवाज ने मुझे आकर्षित किया। जब मैं क्रिएटिव टीम से मिला और उन्होंने जिस तरीके से ब्रीफ किया मुझे बहुत अच्छा लगा। शूटिंग के दौरान, जब भी मस्ती और मजाक का मौका मिलता, हम इसका आनंद लेते थे और इस दौरान कुछ नई दोस्तियां भी बनीं।

आप अपनी जर्नी को किस तरह से देखते हैं?

मेरी जर्नी काफी रोचक रही है। मुझे बहुत अच्छे मौके मिले और मैं कई दिलचस्प किरदारों का हिस्सा बना। मुझे खुशी है कि मैं उन कहानियों का हिस्सा बना जो अलग और यूनिक थीं। मैं चाहता हूं कि मैं और भी नई कहानियां और किरदार करूं, जो लोगों ने पहले नहीं देखे हों।

अब राइटिंग के काम को किस तरफ से देखते हैं?

फिल्ममेकिंग में सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा राइटिंग है। वही लोग जो फिल्म बना रहे हैं, उन्हें पता होता है कि क्या होने वाला है, कौन से किरदार होंगे और स्क्रीन पर क्या दिखाई देगा। राइटर और डायरेक्टर की कल्पना बहुत जरूरी है। अब एक्टर्स भी अच्छे राइटर्स के साथ काम करना चाहते हैं क्योंकि अगर स्क्रिप्ट अच्छी हो, तो बाकी सारी चीजें सेकेंडरी हो जाती हैं। इसलिए राइटिंग को सबसे ज्यादा महत्व दिया जा रहा है।

ओटीटी कैसा प्लेटफॉर्म है?

7-8 साल पहले जो साधारण कंटेंट था, वह अब बदल चुका है। अब लोग ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर बहुत तरह के कंटेंट देख रहे हैं, जो रोमांटिक, थ्रिलर और फैंटेसी जैसी शैलियों में होते हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स ने फिल्म मेकर्स को ज्यादा स्वतंत्रता दी है, जिससे वे अपना कंटेंट ज्यादा प्रयोगात्मक तरीके से बना सकते हैं। अगर कंटेंट अच्छा होता है, तो लोग उसे पसंद करते हैं और यह हिट हो जाता है।

डिसएग्रीमेंट्स को कैसे हैंडल करते हैं?

ऐसी स्थितियां आती हैं जब डिसएग्रीमेंट्स होते हैं और उस समय लगता है कि सबसे बुरा हो गया है। कई बार यह निगेटिव एनर्जी देती है और आगे बढ़ने में रुकावट डालती है। मुझे लगता है कि ऐसी स्थिति में हमें कुछ भी दिल पर नहीं लेना चाहिए, क्योंकि जिंदगी बहुत छोटी है। किसी के साथ बिना कुछ कहे अगर आप कुछ रखते हैं, तो वह सिर्फ आपका नुकसान है। इसलिए, हमेशा खुलकर अपनी बात कहनी चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए।

बजट की वजह से ऋतिक की कृष 4 में हो रही देरी

ऋतिक रोशन की फिल्म ऋकृष भारतीय सिनेमा की सबसे सफल फ्रेंचाइज फिल्मों में से एक है। अब इसका चौथा पार्ट आने वाला है। राकेश रोशन ने फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने फिल्म स्केल और बजट को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा... मुझे पता है कि लोग लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन अब तक किसी तरह फिल्म के बजट को सही तरीके से तय नहीं कर पाए हैं। यह फिल्म लार्ज स्केल पर बननी है। अब अगर मैं बजट को कम करने के लिए इसके स्केल को कम करता हूं, तो यह एक साधारण फिल्म की तरह लगती है। अब दुनिया छोटी हो गई है। इन दिनों, बच्चों को कई तरह की सुपरहीरो फिल्में दिखाई जा रही हैं। ऐसे में छोटी से छोटी गलती भी पकड़ में आ जाएगी और उसकी आलोचना होगी।

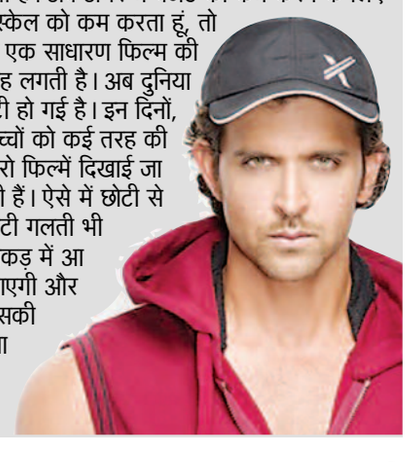

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट संपादक ओमवीर आर्य द्वारा वत्स ऑफसेट, पता- मुद्दा हाउस, सी-ब्लॉक, बारात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जिला गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673